RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 106 ता. 18 अक्टूबर 2021, सोमवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

रेस्क्यू मदद के लिए बुलानी पड़ी सेना

केरल में भारी वर्षा से बेकाबू हुए हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केरल में लगातार हो रही वर्षा के कारण नदियां उफान पर हैं। कई जगहों पर लैंडस्लाइड्स होने की खबर है। कोट्टायम में 9 शव बरामद होने के बाद वर्षा जनित हादसों में मरने वालों का आंकड़ा 11 हो गया है। स्थानीय प्रशासन मुस्तैदी के साथ लोगों के रेस्क्यू में जुटा हुआ है। एक दर्जन से अधिक लोग लापता बताए जाते हैं। वर्षा की वजह से पैदा हुई इस स्थिति पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चिंता जताते हुए केरल को हर संभव मदद देने का आह्वान किया है। केरल में आसमान से बरस रही तबाही ने सैकड़ों लोगों को घर से बेघर कर दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक अरब सागर में बना लो प्रेशर एरिया केरल तट पर पहुंच गया है, जिससे दक्षिण और मध्य केरल में भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण त्रिवेंद्रम, कोल्लम, पदनमटिट्टा, कोट्टायम, इदुकी में नदियां उफान पर हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि वह हालात पर नजर रखे हुए हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में रेस्क्यू और राहत के लिए आर्मी और एनडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है। सेना की एक टुकड़ी कोट्टायम में तैनात की गई है, जबकि एक अन्य टुकड़ी त्रिवेंद्रम में तैनात की गई है। उल्लेखनीय है कि कोट्टयम, इडुकी और पथनमथिट्टा जिलों के पहाड़ी इलाकों में कुछ वैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जैसी सन 2018 और 2019 की विनाशकारी बाढ़ के दौरान हुई थी। सन 2018 में आई बाढ़ में 450 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।।

राजस्थान केबिनेट विस्तार को लेकर राहुल के घर बैठक, गहलोत, प्रियंका और माकन हुए शामिल

नई दिल्ली ।

राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट के बीच शनिवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, करीब सवा घंटे तक चली इस बैठक में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी अजय माकन भी मौजूद थे। इस बैठक के बारे में पूछे जाने पर माकन ने संवाददाताओं से कहा, 'कुछ विशेष नहीं था। यह सामान्य बैठक थी।' माना जा रहा है कि इस बैठक में संभावित कैबिनेट विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर चर्चा हुई है। राजस्थान में गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच तनातनी से जुड़ा विवाद पिछले कई महीनों से चल रहा है। पायलट गुट की मांग रही है कि उन्हें मंत्रिमंडल विस्तार और बोर्डों-निगमों की नियुक्तियों में सम्मानजनक हिस्सेदारी दी जाए।

पहला कॉलम

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने लद्दाख का दौरा कर लिया वायुसेना की तैयारियों का जायजा

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी शनिवार को वायुसेना के लेह स्टेशन और उत्तरी सेक्टर के अग्रिम इलाकों में तैनाती वाले स्थानों के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सेना की इकाइयों की अभियानगत तैयारियों का जायजा लिया। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने एयरबेस पर मौजूद अधिकारियों तथा वहां तैनात इकाइयों के अधिकारियों के साथ बात की। भारतीय वायुसेना ने रविवार को ट्वीट किया चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी 16 अक्टूबर को लेह में एयरफोर्स स्टेशन पर और उत्तरी सेक्टर के अग्रिम इलाकों में वायुसेना की तैनाती वाले स्थान पर पहुंचे। भारत और चीन की सेना के बीच पिछले वर्ष 5 मई को सीमा पर गतिरोध के हालात बने थे। पैंगांग झील के इलाकों में उनके बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसके बाद दोनों पक्षों ने वहां अपनी ओर से तैनाती बढ़ा दी थी। सैन्य और राजनयिक स्तर की कई दौर की वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने अगस्त में गोगरा इलाके में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की। झील के उत्तरी और दक्षिणी तटों से सैनिकों की वापसी फरवरी में हो गई थी। संवेदनशील सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर प्रत्येक पक्ष के अभी 50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं।

30 अक्टूबर को पीएम मोदी गुजरात आएंगे, राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे

अहमदाबाद . प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 30 अक्टूबर को गुजरात आएंगे और दूसरे दिन राष्ट्रीय एकता समारोह में शामिल होंगे.31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती है और इसे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है. नर्मदा जिले के केवडिया में बनी विश्व की सबसे विराट प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पीएम मोदी सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पण करेंगे. पीएम मोदी राष्ट्रीय एकता दिवस पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आयोजित एकता परेड की सलामी लेंगे. इस मौके पर पीएम मोदी देश की जनता को संबोधित भी कर सकते हैं. पीएम मोदी राष्ट्रीय एकता दिवस की पूर्व संध्या यानी 30 अक्टूबर को गुजरात पहुंच जाएंगे. उसी दिन शाम को नर्मदा आरती घाट का लोकार्पण करेंगे और केवडिया में रात्रि विश्राम करेंगे. 31 अक्टूबर की सुबह सरदार पटेल को पुष्पांजलि देने के पश्चात पीएम मोदी कई प्रकल्पों का शिलान्यास भी करेंगे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को देखते हुए आगामी 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के दौरान स्टैच्यू ऑफ यूनिटी समेत केवडिया पर्यटन स्थल के बंद रहने की संभावना है.

अफगान मुद्दे पर दिल्ली में होगी एनएसए बैठक, पाकिस्तान को मिला न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार बनने के बाद से अमेरिका,रूस और चीन जैसे कई बड़े देशों की बैठक लगातार जारी है। इसी क्रम में अब भारत भी दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक करने जा रहा है। इस बैठक में पाकिस्तान और रूस को भी आमंत्रित किया है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ को पिछले हफ्ते निमंत्रण मिला। इन दो देशों के अलावा चीन, ईरान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान को भी आमंत्रित किया है। इस बैठक की अध्यक्षता एनएसए अजीत डोभाल करेंगे। इस बैठक में अफगानिस्तान में मानवीय संकट और मानवाधिकारों के मसले पर बातचीत होगी। इसके अलावा सुरक्षा मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। तालिबान से दुनिया को जैसी अपेक्षाएं हैं, उसके बारे भी अवगत कराया जाएगा। वहीं तालिबानी सरकार के शासन पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक में महिलाओं की सुरक्षा और शिक्षा पर भी चर्चा की जाएगी। हालांकि, सरकार ने अभी तक दिल्ली में होने वाली बैठक के लिए तालिबान को न्योता नहीं दिया है। तालिबान को अभी अंतरराष्ट्रीय बिरादरी की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। खासतौर से मानवाधिकार से जुड़े मसलों को लेकर अभी उससे कहीं ज्यादा अपेक्षा हैं। इनमें महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के मानवाधिकार शामिल हैं।

आतंकियों ने घर में घुसकर श्रमिकों पर की अंधाधुंध गोलीबारी, दो की मौत, एक घायल

जम्मू (एजेंसी)।

सुरक्षा बलों की सख्ती के बावजूद कश्मीर में दूसरे राज्यों के श्रमिकों को चुन-चुन कर मारने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। रविवार की शाम को आतंकियों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में एक मकान में घुस कर किराए पर रह रहे श्रमिकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। इसमें हमले में दो श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि एक घायल है। घायल को अतंतनाग मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक रविवार की देर शाम को कुलगाम जिले के गंजीपोरा वनपोह में आतंकी अचानक एक मकान में जा घुसे और उन्होंने वहां पर एक समूह में बैठे बिहार के श्रमिकों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता, वहां पर कोहराम मच गया। घटनास्थल खून से लथपथ हो गया। गोलीबारी में एक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तुरंत अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही एक और ने दम तोड़ दिया। मरने वालों की पहचान राजा रेशीदेव और जोगिंदर रेशीदेव शामिल हैं, जबकि चुनचुन रेशीदेव पुत्र तेजू दास गंभीर रूप से घायल है। उसे जीएमसी अनंतनाग में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर पर खतरे से बाहर है। श्रमिक को गोली मारने की घटना का पता लगते ही सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। सुरक्षाबलों ने इस क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पिछले 24 घंटों में अन्य प्रदेशों के श्रमिकों को मारने की यह दूसरी घटना है। इसमें अभी तक चार श्रमिकों की मौत हो चुकी है।

जरूरतमंद लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री मोदी का मिशन : नकवी

(एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने हर जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि सुनिश्चित करने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन बताते हुए जोर देकर कहा कि केंद्र का ध्यान बिना तुष्टीकरण के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। नकवी ने उत्तर प्रदेश के रामपुर के महात्मा गांधी स्टेडियम में 'दिव्यांग जन' और वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न चिकित्सा सहायता उपकरणों के मुफ्त वितरण के दौरान यह टिप्पणी की। इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री ए नारायणस्वामी भी उपस्थित थे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, एएलआईएमसीओ, कानपुर ने केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की 'एडीआईपी और राष्ट्रीय वयोश्री योजना' के तहत रामपुर के विभिन्न हिस्सों के लगभग 2000 'दिव्यांग जन' और वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न चिकित्सा सहायता उपकरण जैसे ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, वॉकर, प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक उपकरण, श्रवण उपकरण वितरित किए। नकवी ने कहा कि पिछले सात वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने गरीबों और समाज के कमजोर वर्गों के सुशासन, समावेशी विकास और 'तुष्टिकरण के बिना सशक्तिकरण' पर ध्यान केंद्रित किया है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री बलदेव औलख, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य जयपाल सिंह व्यास और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रियंका गांधी ने खाद की कीमत बढ़ाने पर की सरकार की आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को बुवाई के सीजन से पहले खाद की कीमतें बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की है। प्रियंका गांधी ने एक ट्वीट में कहा, भाजपा सरकार ने एनपीके की कीमत 275 रुपये और एनपी 20 रुपये बढ़ा दी है। डीजल की कीमतें रोजाना बढ़ रही हैं और 100 रुपये तक पहुंच गई हैं। भाजपा शासन में मजदूर और किसान महंगाई के बोझ तले दबे हैं। सिर्फ मोदी के दोस्त ही अमीर हो रहे हैं। बढ़ी हुई कीमतें, इस साल 20 मई की अधिसूचना के अनुसार, 1 अक्टूबर से 31 मार्च, 2022 तक लागू होंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीईए ने फैसला किया है। केंद्र सरकार ने विशेष एकमुश्त पैकेज के रूप में डीएपी की सब्सिडी में 438 रुपये प्रति बोरी बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि किसानों को उसी कीमत पर डीएपी मिल सके। तीन सबसे अधिक खपत वाले एनपीके ग्रेड (10:26:26, 20:20:0:13 और 12:32:16) के उत्पादन के लिए कच्चे माल की बढ़ी हुई अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को केंद्र ने 100 रुपये प्रति बैग सब्सिडी बढ़ाकर अवशोषित कर लिया है। इन एनपीके ग्रेडों पर विशेष एकमुश्त पैकेज के रूप में ताकि किसानों को ये खाद सस्ती कीमतों पर मिल सकें।

लोग चाहते हैं कांग्रेस जनता के हितों लिए लड़े, आपस में नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कांग्रेस के आपसी कलह को लेकर मचे बवाल के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि देश के लोग चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके हितों के लिए लड़ाई लड़े और आपस में नहीं लड़े। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की। एक सूत्र ने बताया कि राहुल गांधी ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि कौन किस पद पर है, बल्कि लोग चाहते हैं कि कांग्रेस एकजुट होकर लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने, वंचित वर्गों के अधिकार की लड़ाई लड़े। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने चरणजीत सिंह चन्नी के पंजाब का मुख्यमंत्री बनने का उल्लेख किया और कहा कि जब कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बारे में चन्नी को फोन पर जानकारी दी, तो वह भावुक हो गए थे। बाद में चन्नी सीडब्ल्यूसी की बैठक में भावुक हो गए और कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय के एक व्यक्ति को इतनी बड़ी जिम्मेदारी

सिर्फ कांग्रेस और गांधी परिवार ही दे सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि देश की जनता चाहती है कि कांग्रेस उनके हितों की लड़ाई लड़े।

बच्चों के लिए वैक्सीनेशन शुरू करने से पहले केंद्र सरकार बरत रही सावधानी

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार बच्चों के लिए कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने से पहले काफी सावधानी बरत रही है। वैक्सीनेशन को लेकर वैज्ञानिक सलाह, वैश्विक रुझान और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों पर गौर किया जा रहा है। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा है कि बच्चों के लिए टीका अभियान शुरू करने में कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। सूत्रों ने कहा कि विशेषज्ञों के शीर्ष पैनल टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीजीआई) को भी अभियान शुरू करने के लिए अंतिम योजना प्रस्तुत करने से पहले सभी पहलुओं को बारीकी से परखने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि मंडाविया ने अधिकारियों को 'सोच-समझकर छोटे कदम' लेने और अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर नजर रखने के लिए भी कहा है। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों से विकसित देशों में बच्चों के लिए चल रहे टीकाकरण की धीमी गति के कारणों का अध्ययन करने को कहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने मंडाविया की चिंताओं पर विस्तार से कहा, विकसित देश बच्चों का टीकाकरण करने के लिए आगे नहीं आए हैं। बच्चों का टीकाकरण एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है और हमें कोई भी कदम उठाने से पहले सभी वैज्ञानिक और तकनीकी राय लेनी चाहिए। माना जाता है कि स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि वह बच्चों के टीकाकरण के मामले में किसी भी राजनीति या दबाव की अनुमति नहीं देंगे। एक अन्य अधिकारी जो कि टीकाकरण योजना का मसौदा तैयार करने वाले शीर्ष निकाय एनटीएजीआई का हिस्सा हैं, ने भी इसी तरह की टिप्पणियों को लेकर यही राय जाहिर की। उन्होंने कहा, ऊपर से आदेश यह है कि कोई जल्दबाजी नहीं है। हमें वैज्ञानिक रूप से मजबूत निर्णय लेने की जरूरत है क्योंकि यह बच्चों के बारे में है, जो हमारे देश के भविष्य हैं। उन्होंने आगे कहा हम बच्चों को टीका लगाने के जोखिमों और लाभों को समझने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन और पत्रिकाएं पढ़ रहे हैं। अध्ययन के अलावा पैनल अंतरराष्ट्रीय रुझानों को पढ़ रहा है कि कैसे अन्य देश, विशेष रूप से विकसित देश, कोरोना के खिलाफ बच्चों को टीका देने के मामले में कदम उठा रहे हैं।

यूपी में पिछली सरकारें त्योहारों पर जानबूझकर कराती थीं दंगे

भाजपा के आने के बाद एक भी दंगा नहीं हुआ : योगी

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने सियासी हित साधने के लिए पिछली सरकारें जानबूझकर दंगे भड़काया करती थीं। जब से राज्य में भाजपा की सरकार आई है, तब से एक भी दंगा नहीं हुआ है। लखनऊ के पंचायत भवन में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सीएम योगी ने विपक्ष की खामियां गिनाईं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 में भाजपा ने नारा दिया था 'सबका साथ सबका विकास' उससे पहले जिन लोगों ने देश और राज्य में शासन किया उनका नारा होता था 'सबका साथ लेकिन उनके परिवार का विकास। सीएम योगी ने कहा कि अपने परिवार के विकास के अलावा इनकी समाज और देश के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सीएम योगी ने कहा जब पर्व और त्योहार आते थे, जब कमाई करनी होती थी, जब आस्था का सम्मान करना होता था तब प्रदेश में कर्फ्यू लग जाता था, दंगे होते थे।

पिछली सरकारों ने जानबूझ कर दंगों की परिस्थिति निर्मित की। वे दंगाइयों को आगे बढ़ाने का काम करते थे। 4.5 साल में उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि आवास सबको मिले, बिजली सबको मिले। पीएम मोदी पिछले 7 साल से इसी पर काम कर रहे हैं। इसी का नतीजा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत यूपी में 42 लाख आवास बनाए जा रहे हैं। जिन लोगों के घर में शौचालय नहीं था, उनके लिए शौचालय की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 2 करोड़ 61 लाख शौचालय बनाए जा चुके हैं। अब ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालय बनाने का काम हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले बहुसंख्यक समाज के लोगों को प्रताड़ित किया जाता था, लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में अब तक कोई दंगा नहीं हुआ। दंगाइयों को पता है अगर दंगा करेंगे तो उनको अगली सात पीढ़ी को पट्टा लिखकर जाना है, जो उसकी भरपाई करेंगे।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधिकारी ने बताया,क्रिल फिशिंग की संभावना के विभिन्न पहलुओं पर पिछले कुछ वर्षों में विचार किया है।

क्रिल फिशिंग की संभावना के लिए मोदी सरकार कर रही नार्वे से बात

नई (एजेंसी)।

मोदी सरकार नार्वे के सहयोग से देश के समुद्री क्षेत्रों में छोटे आकार की 'क्रिल मछलियों' को पकड़ने (क्रिल फिशिंग) की संभावना तलाश रही है।इस विषय पर नीति आयोग के माध्यम से प्रस्ताव तैयार किया गया है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधिकारी ने बताया,क्रिल फिशिंग की संभावना के विभिन्न पहलुओं पर पिछले कुछ वर्षों में विचार किया है। इस विषय पर तैयार मसौदा पत्र पर मंत्रिमंडल सचिवालय ने विचार कर कुछ सुझाव भी दिए।उन्होंने बताया कि इसके आधार पर क्रिल मछलियों को पकड़ने के संबंध में नार्वे से सहयोग की संभावना को लेकर नीति आयोग के सहयोग से प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) में भी कहा गया है कि क्रिल फिशिंग को समर्थन देने की संभावना तलाशी जा रही है। गौरतलब है कि क्रिल छोटे आकार के क्रस्टेशिया प्राणी हैं, जो विश्व-भर के सागरों-महासागरों में मिलते हैं। समुद्र में क्रिल खाद्य शृंखला की सबसे निचली श्रेणियों में आती हैं। क्रिल समुद्र, नदियों, झीलों में तैरने वाले सूक्ष्मजीव प्लवक (प्लैंक्टन) खाते हैं, और फिर व्हेल, पेंगविन, सील जैसे बड़े आकार के समुद्री प्राणी क्रिल को खाते हैं।

क्रिल तेजी से प्रजनन करके फिर अपनी संख्या की पूर्ति करते रहते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, क्रिल फिशिंग को लेकर सबसे पहले अगस्त 2014 में प्रस्ताव आया था। इसमें कहा गया था कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर क्रिल फिशिंग को लेकर विभिन्न देशों के अनुभवों का अध्ययन करे, ताकि उनके अनुभवों से सीखा जा सके। प्रस्ताव में कहा गया था कि उन संभावित देशों की पहचान होगी, जिससे भारत क्रिल फिशिंग को लेकर सहयोग कर सकता है तथा अंतरराष्ट्रीय संधियों के अनुरूप विधान तैयार कर सकता है। क्रिल फिशिंग को लेकर मंत्रालय की प्रस्तावित कार्य योजना के अनुसार, इस विषय पर जापान और नार्वे की विशेषज्ञता है और इनके अनुभवों के बारे में जानकारी जुटायी गई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल फिशिंग में रूचि को लेकर भारतीय उद्योगों के रुझान के बारे में जानकारी जुटा रहा है।

उल्लेखनीय है कि क्रिल मछलियां दिन के समय समुद्र में अधिक गहराई पर चली जाती हैं और रात्रि में सतह के पास आ जाती हैं।इस कारण से सतह और गहराई दोनों पर रहने वाली प्रजातियां इन्हें खाकर पोषित होती हैं।

मत्स्य उद्योग में क्रिल बड़ी संख्या में दक्षिणी महासागर और जापान के आसपास के सागरों में पकड़ी जाती हैं। पकड़ी गई क्रिल का अधिकांश हिस्सा मछली पालन में मछलियों को खिलाने में किया जाता है। इसका कुछ अंश औषधि उद्योग में भी इस्तेमाल होता है।

पाक की घाटी में हिंसा की साजिश- बार्डर से घुसपैठ और ड्रोन से हथियारों की सप्लाई

नई दिल्ली।

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर में अमन चैन रास नहीं आ रहा है। शनिवार को कश्मीर घाटी में तकफीरी आतंकवादियों द्वारा एक मुस्लिम सहित दो गैर-कश्मीरियों को निशाना बनाना उसी पाकिस्तानी साजिश का हिस्सा है, जिसमें वह लगातार हिंसा फैलाकर घाटी को अशांत करना चाहता है, ताकि सामान्य स्थिति का वातावरण बिगड़ जाए। पाक चाहता है कि हिंसा के स्तर को बढ़ाकर घाटी के शांत माहौल को बिगाड़ा जाए ताकि केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो। दरअसल, तकफ़ीरी उन इस्लामी आतंकवादी समूहों, विशेष रूप से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अपने मुस्लिम भाइयों को निशाना बनाने में कोई गुरेज नहीं है। नेशनल सिक्योरिटी प्लानर्स और सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, गैर-कश्मीरियों के खिलाफ हालिया हिंसा पुंछ-राजौरी सेक्टर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों की नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से घुसपैठ का परिणाम है। दूसरा कारण घाटी में लश्कर-ए-तैयबा के ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) को चीनी स्टार पिस्तौल की ड्रोन डिलीवरी में बढ़ोतरी है, जिसके कारण ही श्रीनगर में लक्षित हत्याएं (टारगेट किलिंग) हो रही हैं। जम्मू और कश्मीर में अभी आतंकी कार्रवाई का फोकस कृष्णाघाटी सेक्टर में है, जहां भारतीय सेना ने राजौरी-पुंछ जिले की सीमाओं पर जंगलों में पहले से ही घुसपैठ कर चुके लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के साथ हुए मुठभेड़ में सात कर्मियों को खो दिया है। कहा जाता है कि यह घुसपैठ अगस्त 2021 के अंत में हुई थी। टेरर एक्शन का दूसरा रंगमंच घाटी है, जहां हाल ही में हासिल की गई पिस्तौल के साथ ओजीडब्ल्यू आतंकवादी क्षेत्र में आतंक फैलाने और पर्यटन क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए गैर-कश्मीरियों को निशाना बना रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सुरक्षा बलों के पास एंटी ड्रोन सिस्टम की कार्यप्रणाली में कमी की वजह से सीमा पार से ड्रोन फ्लाइट्स से पिस्तौल की कई खेप घाटी में पहुंची है। सेंसर और बाड़ के साथ एलओसी और भीतरी इलाकों में बड़ी संख्या में भारतीय सुरक्षा बलों को तैनात किए जाने के बावजूद पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों को घाटी में घुसपैठ करने से रोकने के लिए अभी भी कोई फुलप्रूफ तंत्र नहीं है। ड्रोन के माध्यम से हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति ने सुरक्षा बलों की चिंता बढ़ा दी है क्योंकि पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी समूहों के लिए कोई मानवीय कीमत नहीं है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में पहले दौर के टारगेट किलिंग के बाद पिछले एक सप्ताह में 11 आतंकवादियों को मार गिराया है।

देश में केरल के लोगों की सबसे अधिक 74.9 साल औसत उम्र, समसे कम जीते हैं असम के लोग

नई दिल्ली । जिस तरह हर देश के तौर-तरीकों, मौसम, खान-पान के कारण लोगों की औसत उम्र कम या ज्यादा होती है, उसी तरह भारत के अलग-अलग राज्यों में भी लोगों की औसत उम्र अलग-अलग होती है। हमारा देश इतना बड़ा और विविधता भरा है कि यहां के राज्यों की भौगोलिक, सांस्कृतिक स्थितियों में बहुत अंतर है, जो वहां के लोगों की उम्र पर अहम असर डालती है। नीति आयोग की 2010 से 2014 की रिपोर्ट के आधार पर देखें तो केरल के लोग सबसे ज्यादा जीवन जीते हैं। यहां के लोगों की औसत आयु 74.9 साल है। सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले शहर में भी लोगों की औसत आयु बहुत ज्यादा है। इस मामले में यह देश में दूसरे नंबर पर है। यहां के महिलाएं 74.7 और पुरुष 73.2 साल जीते हैं। धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर की महिलाएं 74.9 साल और पुरुष 72.6 साल जीते हैं। यहां की महिलाओं की औसत उम्र 74.1 और पुरुषों की औसत उम्र 71.6 साल है। देश में सबसे ज्यादा औसत आयु वाले राज्यों की सूची में महाराष्ट्र का नंबर पांचवां है। यहां की महिलाएं 73.6 साल और पुरुष औसतर 71.6 साल जीते हैं। सबसे कम औसत उम्र असम राज्य के लोगों का है। असम के लोगों की औसत उम्र 63.9 साल है।

आजाद, शर्मा ने कांग्रेस में संगठनात्मक चुनाव का स्वागत किया, सोनिया के नेतृत्व को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के जी-23 समूह के प्रमुख सदस्य गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा ने सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद घोषित संगठनात्मक चुनाव के कार्यक्रम का स्वागत किया और सोनिया गांधी के नेतृत्व की सराहना की। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बेहद रचनात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। बैठक में राहुल गांधी के करीब माने जाने वाले कुछ नेताओं ने 'जी 23' को निशाने पर लिया। पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला जी-23 नेताओं पर हमला करने में सबसे आगे रहे। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व पर हमले का मकसद कांग्रेस को कमजोर करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि इन नेताओं को पर्दे के पीछे बात करने की ब जाय नेतृत्व के समक्ष अपनी चिंताएं प्रकट करनी चाहिए। बैठक में गुलाम नबी आजाद ने सोनिया गांधी के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि हर स्तर पर चुनाव की घोषणा स्वागत योग्य कदम है।

महाराजगंज(महाराजगंज) भारतीय सीमा में 400 मीटर भीतर घुसा नेपाल का विमान

महाराजगंज (एजेंसी) ।

भारतीय सीमा में एक बार फिर से नेपाल के विमान के दाखिल होने का मामला सामने आया है। इसके बाद से सशस्त्र सीमा बल समेत भारतीय सुरक्षाल एजेंसियां अलर्ट पर हैं। बताया जाता है कि नेपाल से सटे बिहार के महाराजगंज जिले के सोनौली कस्बे के ऊपर नेपाल का विमान काफी देर तक मंडराता रहा और थोड़ी देर वापस लौट गया। जानकारी के मुताबिक, नेपाल के भैरहवा गौतम बुद्ध एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान वहां का एक विमान भारतीय सीमा में करीब 400 मीटर अंदर तक घुस आया। घटना शुक्रवार दोपहर 1 बजे की बताई जा रही है। काफी देर तक भारतीय सीमा में मंडराने के बाद विमान वापस नेपाल लौट गया। इस घटना के बाद भैरहवा स्टेशन के सुपरिंटेंडेंट दर्शन धीमरे ने बताया कि खराब मौसम और लैंडिंग सिग्नल न मिलने से इस तरह की समस्या आती है। जब कभी उत्तर दिशा में मौसम खराब होता है तो प्लेन को लैंडिंग के लिए दक्षिण से आना होता है। विमान के सुरक्षित घुमाव के लिए भारतीय सीमा में जाना पड़ता है। यह तभी होता है जब मौसम खराब होता है। वहीं, नेपाल एयरपोर्ट अथॉरिटी के अफसरों का कहना है कि भैरहवा एयरपोर्ट पर विमान को सुरक्षित लैंडिंग के लिए करीब 4 किमी का दायरा चाहिए। दक्षिण दिशा में महज तीन किलोमीटर दूरी पर ही भारत की सीमा पड़ती है, इसलिए मजबूरीवश विमान को भारतीय सीमा में प्रवेश करना पड़ता है। प्लेन का पायलट गोरखपुर, वाराणसी एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से परमिशन लेकर भारतीय एरिया में उड़ान करता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब नेपाल का कोई विमान भारतीय सीमा में दाखिल हुआ है। इससे पहले भी कई बार नेपाल के विमान भारतीय सीमा में आ जाते हैं। जैसे ही कोई विदेश विमान भारतीय सीमा में घुसता है तो रडार के जरिए उसकी जानकारी मिल जाती है।

हंण्डिया कोतवाल श्री वृजेश कुमार सिंह जी ने आगामी त्योहार एवं जूलूस को देखते हुए बुलाया मिटिग

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। हंण्डिया थाना प्रभारी श्री वृजेश कुमार सिंह से हंण्डिया पीस कमेटी के सदस्यों ने मुलाकात कर आगामी हंण्डिया में श्री राम बरात एवं सामोहिक जुलुसो को मद्देनजर सभी से आग्रह किया गया कि आप सभी शांति व्यवस्था पर ध्यान रखकर उचित व्यवस्था के साथ करें ताकि हंण्डिया प्रशासन के साथ साथ जनमानस को कोई दिक्कत ना हो इस मौके पर के रहमान,नसीम खान,गुड्डू बबलू, समेत कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे साथ ही थाना प्रभारी वृजेश सिंह जी द्वारा हंण्डिया के समस्त क्षेत्रवासी नशा मुक्ति के तरफ़ अपना ध्यान केंद्रित ताकि हंण्डिया में एक अच्छा सुशासन और अच्छे समाज की स्थापना किया जा सके साथ ही उन्होंने कहा कि आपका साथ हमारा विश्वास हम बनाएंगे जागरुक समाज हंण्डिया कोतवाल श्री वृजेश सिंह जी ने यह नारा दिया और लोगों ने भी हर क़दम पर साथ देने के लिए वादा किया।

कोटेदारों ने एस एम आई पर लगाए गमभीर आरोप अपनी समस्या को आवेदन के जरिये अवगत कराया

संवाददाता रामलखन सहानी,
बरहज, देवरीया।

बरहज ब्लॉक के उचित दर विक्रेता हॉट संख्या बरहज विगत 60 वर्षों से स्थाई है और दुकानदारों की दुकान की दूरी 10 से 12 किमी दूर है । जिसका सरकारी किराया 15 से रू 18 प्रति कुंतल देय है । पलेरी सहित 16 अक्टूबर को एसएमआई संजय पाण्डेय ने राशन निकासी को बुलाया था सभी उचित दर विक्रेता हॉट संख्या बरहज गोदाम पर गए थे, तो देखा कि गोदाम पर ताला बंद था । दुकानदारों ने आरोप लगाया कि एसएमआई बरहज के दुकानदारों को मानसिक, आर्थिक उत्पीड़न करते हैं

। जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों को लिखित कराई गई है ,। फोन से संपर्क होने पर एसएमआई द्वारा कहा गया कि बरहज से निकासी नहीं देंगे लेना है तो गड़ेर से राशन लेना, नही राशन की उपेक्षा मत करना । गड़ेर गोदाम से हम दुकानदारों की दूरी 40 से 45 किलोमीटर है । राशन लेने में 600 से 800 पल्लेदारी देना पड़ता है । घर से वही किराया 3500 देना पड़ेगा । इस दौरान नंदलाल, सुभाष चंद्र, राकेश कुमार जयसवाल ,सुधीर, राकेश कुमार, रामचंद्र ,कुअ र रामाशीष, रामराज ,गीता देवी मंजू देवी ,तारा देवी, सुखारी देवी, आदि लोग मौजूद रहें ।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाकर उत्तराखंड के लोगों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की

सीएम धामी ने रामलला के दर्शन कर उत्तराखंड के लोगों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की

अयोध्या (एजेंसी)।

भगवान राम की नगरी अयोध्या के 2 दिवसीय दौरे पर आए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाकर उत्तराखंड के लोगों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर निर्माण कार्य का अवलोकन कर साधू-संतों का आशीर्वाद भी लिया। राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड के पहले मुख्यमंत्री हैं, जो रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। धामी अपराह्न लगभग 3 बजे अयोध्या के नाका एयरपोर्ट पहुंचे, जहां उत्तर प्रदेश पुलिस के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद नया घाट स्थित यात्री निवास सरयू होटल पहुंचकर उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। शाम को 4ः30 बजे नया घाट से चलकर हनुमानगढ़ी राम जन्मभूमि तक जाने वाली राम बारात में शामिल होते हुए पुष्कर सिंह धामी हनुमानगढ़ी पहुंचे। हनुमानगढ़ी में उन्होंने विधिविधान के साथ दर्शन-पूजन किया। हनुमानगढ़ी पीठ के महंत राजूदास की अगुवाई में पूजन कार्यक्रम संपन्न किया गया। इसके बाद वह सीधे रामलला के दरबार में पहुंचे। उन्होंने पहले रामजन्म भूमि में रामलला की पूजा अर्चना की और फिर उस स्थान को देखने गए जहां रामलला का भव्य निर्माण हो रहा है।इसके पहले यात्री निवास में उन्होंने कहा कि राजनीति और धर्म हमेशा एक दूसरे के पूरक रहे हैं। हम लोग बचपन से सपना देखा था। वह सपना साकार हो रहा है। मैं स्वयं किसान परिवार से हूं। सैनिक परिवार से हूं। हम लोग लगातार किसानों के लिए काम कर रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री किसानों की आय दोगुनी करने की योजनाओं कार्य कर रहे हैं। हमारे यहां के किसान हर बात समझते हैं। धामी ने कहा कि पार्टी ने हमें उत्तराखंड का कमान दिया है। हम उत्तराखंड की जनता की सेवा कर रहे। मेरा कोई राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है। मैं बचपन से यहां आता रहा हूं। उन्होंने उच्च शिक्षा लखनऊ से ग्रहण की है। छात्र जीवन में कई बार उनका अयोध्या आना हुआ, लेकिन उत्तराखण्ड के मुख्यसेवक के रूप में पहली बार उन्हें अयोध्या आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड महादेव की भूमि है और उत्तर प्रदेश भगवान श्रीराम की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है और दुनिया में हमारे देश का मान-सम्मान बढ़ा है। उनके दिशा निर्देशन में उत्तर प्रदेश की तरह उत्तराखण्ड में भी विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। कर्णप्रयाग-ऋषिकेश रेलवे लाइन, चारधाम ऑल वेदर, केदारनाथ पुनर्निर्माण, बदरीनाथ सौंदर्यीकरण महायोजना समेत तमाम परियोजनाओं को

सफलतापूर्वक धरातल पर उतारा जा रहा है। इस दौरान धामी के साथ राज्यसभा सांसद नरेश बंसल व अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुंह पर स्प्रे मारकर किया बेहोश, सुनसान जगह ले जाकर पांच लोगों ने किया गैंगरेप

औरंगाबाद ।

औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना अंतर्गत फुलवरिया गांव में पड़ोस में जा रही युवती के साथ पांच लोगों ने गैंगरेप किया। बताया जाता है कि युवती किसी काम से बाजार जा रही थी।इस क्रम में कुछ लड़के आए और मुंह पर स्प्रे किया, इससे लड़की बेहोश हो गई। फिर लड़की को सुनसान जगह ले जाकर पांचों ने उसके साथ बलात्कार कर मारने की नीयत से गाड़ी में लेकर जा रहे थे। किसी तरह मामले की सूचना परिजनों को मिली जिसके बाद लोग पहुंचे। मुफ्फसिल थाने की पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया,जबकि दो आरोपी फरार हैं। युवती का इलाज सदर अस्पताल में हो रहा है। इसकी सूचना पर औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार सिंह ने पहुंचकर सारी जानकारी ली। सांसद ने कहा कि यह घृणित कार्य है,इसमें शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले को चलाने की मांग की।

आतंकियों के मददगार बने 3 लोगों को सुरक्षाबलों ने हिरासत में लिया

जम्मू ।

सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर में तीन लोगों को आतंकवादियों की मदद करने के संदेह में हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। संदेह है कि उन्होंने आतंकवादियों को सैन्य सहायता प्रदान की। यह कार्रवाई मेंढर में एक सप्ताह तक चले आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान सेना के 9 जवानों के मारे जाने के एक दिन बाद आई है। जानकारी के मुताबिक, केंद्र शासित प्रदेश में अल्पसंख्यकों पर आतंकी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर में असामाजिक तत्वों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की है। पूरे कश्मीर में कुल 570 लोगों को हिरासत में लिया गया है। केंद्र ने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में खुफिया ब्यूरो के एक शीर्ष अधिकारी को भी श्रीनगर भेजा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2021 में अब तक कुल 28 नागरिक आतंकवादियों द्वारा मारे गए हैं। मारे गए 28 लोगों में से पांच व्यक्ति स्थानीय हिंदू या सिख समुदायों के थे और दो गैर-स्थानीय हिंदू मजदूर थे।

पाकिस्तान से आए 11 हिन्दू शरणार्थियों को मिली भारत की नागरकिता

अहमदाबाद । शहर में पाकिस्तान से आए 11 हिन्दू शरणार्थियों को भारत की नागरिकता दी गई है। अहमदाबाद जिला कलेक्टर संदीप सांगले ने पाकिस्तान से आए 11 हिन्दुओं को भारत की नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किया। अहमदाबाद जिला कलेक्टर द्वारा अब तक 868 लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जा चुकी है।अन्य 9 नए पाकिस्तानी हिन्दुओं ने भारत की नागरिकता के लिए आवेदन किया है, जिस पर कार्यवाही शुरू की गई है। जिन पाकिस्तानी हिन्दुओं को नागरिका दी गई है उनके बारे में राज्य एवं केन्द्र की आईबी टीम द्वारा उचित जांच पडताल के बाद प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। पाकिस्तान से आकर अहमदाबाद में कई सालों से रह रहे हिन्दू शरणार्थी भारत की नागरिकता पाने के बाद काफी खुश नजर आए।

दिल्ली-तिरुपति मार्ग पर स्पाइसजेट की उड़ान, मंत्री सिंधिया ने दिखाई हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली । नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को दिल्ली-तिरुपति मार्ग पर स्पाइसजेट की उड़ान को हरी झंडी दिखाई। मंत्री सिंधिया ने कहा कि यह फ्लाइट तिरुपति को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि हर साल 3.5 करोड़ श्रद्धालु तिरुपति की यात्रा करते हैं। एयरलाइन की ओर से जारी बयान के अनुसार एयरलाइन इस मार्ग पर 31 अक्तूबर तक सप्ताह में तीन बार और 31 अक्तूबर से इस मार्ग पर एक सप्ताह में चार बार उड़ानों का परिचालन करेगी। एयरलाइन की तिरुपति को हैदराबाद और पुणे से जोड़ने वाली सेवा पहले से ही मौजूद है।

दो व्यावसायिक संस्थाओं पर आयकर विभाग का छापा, करोड़ों की कर चोरी का लगाया पता

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने डिजिटल मार्केटिंग में लगे एक समूह और ठोस कचरा प्रबंधन में लगी एक अन्य इकाई पर छापेमारी के बाद करोड़ों रुपये की कर चोरी का पता लगाया है। यह छापेमारी 12 अक्तूबर को की गई थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड(सीबीडीटी) ने इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि पहला समूह डिजिटल मार्केटिंग और कैपेन प्रबंधन में लगा हुआ है। एजेंसी ने कंपनी के बंगलूरू, सूरत, चंडीगढ़ और मोहाली में स्थित सात परिसरों पर छापेमारी की है।पाए गए साक्ष्यों से पता चला है कि समूह एक एंट्री ऑपरेटर को काम देकरफर्जी व्यावसायिक प्रविष्टियां प्राप्त करने में लगा हुआ था।वहीं एंट्री ऑपरेटर ने हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से समूह की नकदी और बेहिसाब आय के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करने की बात स्वीकार की है।सीबीडीटी ने कहा कि व्यय की मुद्रास्फीति और राजस्व की कम रिपोर्टिंग का भी पता चला है और समूह को बेहिसाब नकद भुगतान में लिप्त पाया है। वहीं दूसरा समूह ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में लगा हुआ है और देश भर में ठोस अपशिष्ट संग्रह, परिवहन, प्रसंस्करण और निपटान सेवाओं में काम करता है, मुख्य रूप से भारतीय नगर पालिकाओं के कामों को देखता है। बयान में कहा गया है साक्ष्य से पता चलता है कि इस समूह ने खर्चों और उप-अनुबंधों के लिए फर्जी बिलों की बुकिंग में लिप्त है और इस तरह के फर्जी खर्चों का प्रारंभिक अनुमान 70 करोड़ रुपये है।करीब 7 करोड़ रु की संपत्ति में बेहिसाब निवेश का पता चला है और 1.95 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी और 65 लाख रुपये के जेवरात मिले हैं।

सार समाचार

पाकिस्तान ने एक चीनी कंपनी को काली सूची में डाला, जानिए क्या है पूरा मामला

लाहौर। पाकिस्तान ने एक चीनी कंपनी को सरकारी परियोजना में बोली के दौरान फर्जी दस्तावेज जमा करने के आरोप में काली सूची में डाल दिया है और उसे एक महीने के लिए किसी भी सरकारी निविदा में भाग लेने से रोक दिया है। समाचार पत्र 'डॉन' ने एक रिपोर्ट में चीनी कंपनी का नाम लिए बिना बताया कि पाकिस्तान की नेशनल ट्रांसमिशन एंड डिस्पैच कंपनी (एनटीडीसी) की एक परियोजना की बोली के दौरान जाली दस्तावेज जमा करने के लिए इस फर्म को काली सूची में डाला गया। एनटीडीसी महाप्रबंधक कार्यालय से दो दिन पहले जारी एक पत्र के मुताबिक, ''(चीनी फर्म को) काली सूची में डाला गया है और फर्जी दस्तावेज जमा करने के चलते एनटीडीसी की निविदा या बोली प्रक्रिया में भाग लेने से तत्काल प्रभाव से एक महीने के लिए रोक दिया या है।'' एनटीडीसी ने कहा कि आदेश का प्रभाव मौजूदा अनुबंधों पर नहीं होगा।

महिला ने पति का अफेयर सुनकर मारी गोली फिर किए शव के टुकड़े!

ब्रासीलिया। गुस्से में लिए गए फैसले अक्सर आपकी सोच-समझ को खत्म कर देते हैं और न जाने ऐसा ऐसा काम करा देते है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। ऐसा ही एक मामला ब्रासीलिया का सामने आया जिसमें पति के अफेयर की खबर सुनने के बाद गुस्से में बौखलाई महिला ने अपने पति की हत्या कर दी, और इसके बाद उसकी बॉडी के छोटे-छोटे टुकड़े कर ठिकाने लगा दिया। दरअसल महिला सूटकेस में शव के टुकड़े ले जाती CCTV कैमरे में कैद हुई, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मामला सामने आने के बाद हर कोई दंग रह गया कि मासूम सी दिखने वाली महिला इतनी खतरनाक कैसे हो सकती है।

पाकिस्तान में घर में आग लगने से 7 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुजफ्फरगढ़ जिले में रविवार को उनके घर में आग लगने से एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई।
स्थानीय मीडिया ने जिला आपातकालीन अधिकारी के हवाले से बताया कि जब आग लगी तो परिवार के सदस्य सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का कोई मौका नहीं मिला। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में दो महीने से 10 साल के बीच की दो महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई।

फिलिस्तीन ने वेस्ट बैंक में नई इजरायली बस्ती के निर्माण की निंदा की

रामल्लाह। फिलिस्तीन ने वेस्ट बैंक शहर नब्लस के दक्षिण में एक भूमि पर एक नई इजरायली बस्ती के निर्माण की निंदा की है। फिलीस्तीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक नया समझौता स्थापित करना दो राज्यों के समाधान के दृष्टिकोण के आधार पर शांति बनाने की संभावनाओं को कमजोर करता है। समाचार एजेंसी ने बयान के हवाले से कहा, नई परियोजना में रामल्लाह और नब्लस के बीच इजरायली बसने वालों के लिए एक बस स्टेशन का निर्माण शामिल है ताकि उनके आंदोलन को सुविधाजनक बनाया जा सके और समझौता सड़क नेटवर्क को इजरायल से जोड़ा जा सके। इसमें कहा गया है कि वेस्ट बैंक में एक नया इजरायली समझौता स्थापित करना इजरायल सरकार के प्रयासों और वेस्ट बैंक को जोड़ने के लिए समय के खिलाफ है। मंत्रालय ने उल्लेख किया कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य पूर्वी यरुशलम को अपनी राजधानी के रूप में एक व्यवहार्य और संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के किसी भी अवसर को कम करना है। इजरायल और फिलिस्तीनी अनुमानों के अनुसार, लगभग 650,000 इजरायली निवासी 164 बस्तियों और वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में 124 चौकियों में रहते हैं। इजरायली बस्तियां फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष में सबसे कठिन मुद्दा हैं और 2014 में दोनों पक्षों के बीच प्रत्यक्ष शांति वार्ता के अंतिम दौर को रोकने के मुख्य कारणों में से एक है।

मर्केल ने इस्तांबुल में एर्दोगन के साथ फेयरवेल बैठक की

इस्तांबुल। निवर्तमान जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन के साथ इस्तांबुल में एक विदाई बैठक की, जो उनके 16 साल के कार्यकाल के बाद पद से प्रस्थान करने से कुछ दिन पहले की गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बोस्फोरस जलडमरूमध्य के किनारे ह्यूबर प्रेसिडेंशियल मेंशन में अपनी बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने शनिवार को तुर्की और जर्मनी के बीच संबंधों, यूरोपीय संघ में अंकारा की सदस्यता बोली, अनियमित प्रवास और कई क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। तुर्की के नेता ने मर्केल के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यूरोप में तुर्की समुदाय के लिए नस्लवाद, इस्लामोफोबिया, जेनोफोबिया और भेदभाव मुख्य समस्या है, यूरोपीय देशों से सभी भेदभावपूर्ण उपचार और नस्लवादी हमलों के खिलाफ प्रभावी उपाय करने का आह्वान किया। एर्दोगन ने आशा व्यक्त की कि निवर्तमान चांसलर के साथ की गई सफल प्रक्रिया आगामी अवधि में नई जर्मन सरकार के साथ जारी रहेगी। अपने हिस्से के लिए, मर्केल ने कहा कि अनियमित प्रवास पर तुर्की को यूरोपीय संघ का समर्थन जारी रहेगा, यह देखते हुए कि हमारी शांति और सुरक्षा दूसरे से जुड़ी हुई है। तुर्की अपनी सीमाओं के भीतर 3.6 मिलियन सीरियाई सहित 4 मिलियन से अधिक शरणार्थियों की मेजबानी करता है। देश में हाल ही में अपनी मातृभूमि में अशांति से भाग रहे अफगान शरणार्थियों की बढ़ती संख्या देखी जा रही है। सितंबर में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों के बाद मर्केल चांसलर के रूप में 16 साल बाद राजनीति से संन्यास ले लेंगी। वह पहले ही इजरायल, इटली, बेल्जियम और स्पेन की विदाई यात्रा कर चुकी हैं।

पहली बार इजरायल दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, रणनीतिक संबंध होंगे और मजबूत

बीजिंग। (एजेंसी)।

तेल अवीव। विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को पांच दिवसीय यात्रा पर यहां यहां पहुंचे जिस दौरान वह भारत एवं इजराइल के बीच द्विपक्षीय सहयोग के नये क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशने के अलावा रणनीतिक संबंधों को और समृद्ध करने के लिए परस्पर रोडमैप तैयार करने के लिए यहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। यह विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की पहली इजरायल यात्रा है। इस यात्रा के दौरान वह इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग, प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट तथा विदेश मंत्री येर लेपिड से मिलेंगे।

वह इजराइल के अकादमिक जगत के विद्वानों, कारोबारी जगत के उद्योगपतियों के साथ भी बैठक करेंगे एवं भारतीय यहूदी समुदाय के साथ संवाद भी करेंगे। जयशंकर भारत के लिए ऐतिहासिक महत्व के स्थलों पर भी जायेंगे जो इस क्षेत्र में उसकी (भारत की) दीर्घकालिक उपस्थिति तथा इस क्षेत्र के इतिहास को आकार प्रदान करने में उसकी सकारात्मक भूमिका को प्रदर्शित करेगा। भारत एवं इजरायल जुलाई, 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाकर रणनीतिक संबंधों तक ले गये थे। (भारतीय) विदेश मंत्रालय ने कल कहा था कि इसके बाद से दोनों देश ज्ञान आधारित अपने गठजोड़ को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किये हुए हैं जिसमें नवोन्मेष एवं शोध तथा 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को गति प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है।

ईरान और पाकिस्तान ने समुद्री उद्योग में सहयोग पर जताई सहमति

तेहरान। ईरानी और पाकिस्तानी सैन्य कमांडरों ने सैन्य जहाजों के निर्माण और पनडुब्बी के रखरखाव में सहयोग करने पर सहमति जताई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने राज्य मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि कराची के बंदरगाह शहर में पाकिस्तानी नौसेना के शिपयार्ड के दौरे में, ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद हुसैन बाकेरी को युद्धपोतों, नावों और पनडुब्बियों के निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पड़ोसियों के सैन्य अधिकारी जहाजों और पनडुब्बियों के निर्माण और रखरखाव पर एक साथ काम करने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्ष नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के साथ-साथ छात्रों के आदान-प्रदान के लिए विभिन्न नौसैनिक क्षेत्रों में अनुभवों को साझा करने पर भी सहमत हुए है। ईरान की आधिकारिक ईरान समाचार एजेंसी की इसी तरह की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान और इस्लामाबाद के सैन्य अधिकारियों ने भी क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग पर जोर दिया। इस बीच, बाकेरी ने संयुक्त अभ्यास आयोजित करके साझी समुद्री सीमाओं पर समुद्री सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

बांग्लादेश: हिंदुओं के मंदिर, व्यवसायों पर फिर हमला, अल्पसंख्यक समूह देशभर में करेंगे अनशन

ढाका (एजेंसी)।

कुरान के कथित अपमान के मामले में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि कट्टरपंथियों की हिंसा के विरोध में बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने 23 अक्टूबर से भूख हड़ताल का ऐलान किया है। साथ ही पीएम शेख हसीना से मामले में सख्त एक्शन लेनी की बात कही है। चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों के खिलाफ जल्दी कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

पीटीआई के मुताबिक, बांग्लादेश के लगभग हर कोने में हिंदू समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। कुरान के कथित अपमान के मामले में कट्टरपंथी लोग पिछले एक सप्ताह में हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बना रहे हैं। इस हिंसा में अब तक आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि कई हिंदू मंदिरों में तोड़-फोड़ भी की गई। ये सभी नवरात्रि से शुरू हुआ है। अब बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने इस हिंसा के खिलाफ 23 अक्टूबर से देशभर में भूखहड़ताल का ऐलान किया है। बांग्ला अखबार द टिब्यून के मुताबिक, राजधानी ढाका से लगभग 157 किलोमीटर दूर फेनी में बीते शनिवार को हिंदू मंदिरों और दुकानों में कट्टरपंथियों ने जमकर उत्पात मचाया। कई दुकानों और मंदिरों में तोड़-फोड़ की गई। इस हिंसा में फेनी मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी निजामुद्दीन सहित कम से कम 40 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम 4ः30 बजे (स्थानीय समयानुसार) से आधी रात तक हुई झड़प में हिंदुओं के साथ बर्बरता की गई और लूटपाट की गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शनिवार को कुछ बदमाशों ने सिराजदीखान उपजिला के रासुनिया संघ में दानियापारा महा शोशन काली मंदिर में छह मूर्तियों को तोड़ दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्गा पूजा समारोह के दौरान हिंदू मंदिरों पर हमले और तोड़फोड़ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शनिवार को भी देश भर में जारी रहा। साथ ही बर्बरता के कारण लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। इस बीच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के महासचिव एडवोकेट राणा दासगुप्ता ने चटगांव प्रेस क्लब में संवाददातों से कहा कि परिषद ने दुर्गा पूजा समारोह के दौरान हमलों के विरोध में 23 अक्टूबर से धरना और भूख हड़ताल की घोषणा की। विरोध कार्यक्रम ढाका के शाहबाग और चटगांव के अंदरकिला में होंगे।

घोषणा करने से पहले, मंच ने शनिवार को चटगांव में छह घंटे की हड़ताल की। बांग्लादेश पूजा उदयपन परिषद ने दुर्गा पूजा समारोह के दौरान हुई बर्बरता, हिंसा और तबाही में शामिल कट्टरपंथी लोगों के खिलाफ एक्शन की मांग की है। मिलन कांति दत्ता फोरम के अध्यक्ष ने कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया तो वे एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे.

वहीं, इस्कॉन बांग्लादेश के महासचिव चारू चंद्र दास ब्रह्मचारी ने चेतावनी दी कि समुदाय चुप नहीं बैठेगा और इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'हम मानते हैं कि कट्टरपंथियों का एक समूह धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए इस तरह की नफरत की शुरुआत कर रहा है। हम सत्ताधारी दल के कुछ कार्यकर्ताओं को भी जानते हैं जो इस तरह के जघन्य अपराध में शामिल हैं। मैं प्रधानमंत्री से आग्रह करना चाहता हूं कि वे कमजोर न हों और उनके खिलाफ भी कार्रवाई करें।' इस बीच ढाका विश्वविद्यालय के सत्तारूढ़ अवामी लीग समर्थित ब्लू पैनल शिक्षकों ने रविवार को देश भर में कई दुर्गा पूजा स्थलों और मूर्तियों पर तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की। मंत्री हसन महमूद ने शनिवार को हिंसा के लिए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि बीएनपी-जमात सांप्रदायिक उकसावे में शामिल हैं। बीएनपी-जमात ने प्रधान मंत्री शेख हसीना से राजनीतिक रूप से निपटने में विफल रहने के कारण विभिन्न साजिशों का रास्ता चुना है। मंत्री ने कहा, ÷कोमिला में हुई घटना के पीछे एक राजनीतिक मकसद था जिसने पूरे देश में सांप्रदायिक आक्रोश को उकसाया।' बता दें कि गुरुवार को प्रधान मंत्री शेख हसीना ने हिंसा के दोषियों को कड़ी सजा देने का वादा किया था। कहा था कि हिंदू मंदिरों और दुर्गा पूजा स्थलों पर हमलों में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। हसीना ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस धर्म के हैं। उन्हें दंडित किया जाएगा। बता दें कि कोरोना महामारी के कारण इस साल विजयदशमी का जुलूस नहीं निकाला गया। इस साल दुर्गा पूजा 11 अक्टूबर को शुरू हुई थी। इस साल राजधानी ढाका के 238 सहित देश भर के 32,118 पूजा मंडपों में दुर्गा पूजा मनाई गई।

श्रीलंका ने मांगी भारत की मदद, कच्चे तेल के भुगतान के लिए चाहिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण

कोलंबो। (एजेंसी)।

विदेशी मुद्रा संकट का सामना कर रहे श्रीलंका ने अपने कच्चे तेल की खरीद का भुगतान करने के लिए भारत से 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा मांगी है। श्रीलंका की तरफ से यह कदम ऊर्जा मंत्री उदय गम्मनपिला के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने चेतावनी देते कहा था कि देश में ईंधन की मौजूदा उपलब्धता की गारंटी अगले साल जनवरी तक ही दी जा सकती है। श्रीलंका की सरकारी तेल कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) पर पहले से देश के दो प्रमुख सरकारी बैंकों-बैंक ऑफ सीलोन और पीपल्स बैंक का लगभग 3.3 अरब डॉलर का बकाया है।

सीपीसी पश्चिमी एशिया से कच्चे तेल और सिंगापुर समेत अन्य क्षेत्रों से परिष्कृत उत्पादों का आयात करती है। स्थानीय समाचार वेबसाइट न्यूज़फर्स्ट.एलके ने सीपीसी के चेयरमैन सुमित विजेसिंघे के हवाले से कहा, ''हम भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी व्यवस्था के तहत 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा प्राप्त करने के लिए वर्तमान में यहां भारतीय उच्चायोग के साथ बातचीत कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस ऋण सुविधा का उपयोग पेट्रोल और डीजल आवश्यकताओं की खरीद के लिए किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने श्रीलंका को इस साल तेल आयात पर अधिक खर्च करने के लिए मजबूर किया है। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष के पहले सात महीनों में देश का तेल बिल 41.5 प्रतिशत बढ़कर दो अरब डॉलर हो गया है।

ईंधन की आपूर्ति जारी रखने के लिए श्रीलंका भारत से 500 मिलियन डॉलर ऋण प्राप्त करेगा

कोलंबो (एजेंसी)।

सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन कि आपूर्ति की गारंटी केवल जनवरी 2022 तक दी जा सकती है। सरकार के नकदी-संकट से भरे ईंधन आपूर्तिकर्ता की चेतावनी के बीच श्रीलंका को भारत से 500 मिलियन डॉलर की ऋण सुविधा प्राप्त होगी। संपूर्ण ऋण राशि का उपयोग आवश्यक ईंधन आपूर्ति विशेष रूप से पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए किया जाएगा।

सीपीसी के अध्यक्ष सुमित विजेसिंघे ने मीडिया से कहा कि हम इस ऋण को तत्काल प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं ताकि हम देश को ईंधन की आपूर्ति कर सकें। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने ऋण में तेजी लाने के लिए विशेष हस्तक्षेप किया है। इस पर दोनों देशों के ऊर्जा मंत्रालय के सचिवों के बीच समझौता होना है। ऋण सुविधा पर सहमति की पृष्ठभूमि में ऊर्जा मंत्री उदय गम्मनपिला ने सीपीसी के भीषण वित्तीय संकट के बारे में वित्त मंत्रालय को आगाह किया है। मंत्री ने कहा है कि यदि त्वरित समाधान नहीं दिया गया तो आयात में बाधा आ सकती है और संकट के तत्काल समाधान के रूप में आयात और मूल्य संशोधन के लिए कर कटौती का सुझाव दिया है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि यदि भारत द्वारा संचालित लंका इंडियन ऑयल कंपनी (एलआईओसी) कीमतों में वृद्धि करती है तो सीपीसी के लिए ईंधन की आपूर्ति के लिए उच्च मांग होगी जिससे घाटे में वृद्धि होगी और संकट बढ़ जाएगा। इस साल अब तक सीपीसी को 410 मिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है और यह अनुमान लगाया गया है कि 2021 के अंत तक यह नुकसान 590 मिलियन डॉलर से अधिक हो सकता है।

गौरवशाली पल! भारतवंशी लड़की ने पाई के 1560 अंक मिनटों में सुना डाले, सिंगापुर में बनाया रिकॉर्ड

सिंगापुर। (एजेंसी)।

छह वर्षीय भारतवंशी ईशानी शनमुगम ने पाई के सर्वाधिक अंकों को याद रखने का सिंगापुर का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। 13 अक्टूबर को अपने घर में बैठे हुए ईशानी ने करीब दस मिनट तक अंक बोले

जिनमें 1,560 दशमलव अंक थे। सिंगापुर बुक ऑफ रिकॉर्डस के अधिकारियों ने सभी अंकों का सत्यापन किया। ईशानी की मां वेनिला मुनुस्वामी (36) ने स्ट्रेट्स टाइम्स को शनिवार को बताया, ''हम घबरा रहे थे लेकिन वह शांत थी। अधिकारियों ने उससे पूछा कि क्या वह घबराई हुई है तो उसने कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं।''

पिछले साल सितंबर तक ईशानी पाई के 409 अंकों को याद रख पाती थी। लेकिन उसने अपने माता-पिता से कहा कि वह और अंक याद करना चाहती है। उसके पिता शनमुगन वी एस ने बताया कि इसके बाद उन लोगों ने अप्रैल से ईशानी को हर दिन नए अंक सिखाने की शुरुआत की। उन्होंने कहा, ''हमें ईशानी पर गर्व है। हमें उम्मीद नहीं थी कि पहली ही बार में वह हर एक अंक को याद रख लेगी। लेकिन उसने रिकॉर्ड तोड़ दिया।'' वेनिला ने कहा, ''वह पाई के और अंक याद करना चाहती है।'' इससे पहले स्मरण शक्ति प्रशिक्षक सैंसी सूरज ने 2018 में पाई के 1,505 अंकों को याद करने का रिकॉर्ड बनाया था जिसे ईशानी ने तोड़ दिया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड राजवीर मीना के नाम पर है जिन्होंने 2015 में भारत में वीआईटी विश्वविद्यालय में 70,000 अंक बोलकर दिखाए थे।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने स्थायी खाद्य प्रणालियों की दिशा में कार्रवाई में बदलाव को प्रोत्साहित किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शनिवार को विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर) के अवसर पर स्थायी खाद्य प्रणालियों की दिशा में कार्रवाई में बदलाव को प्रोत्साहित किया। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, गुटेरेस ने एक वीडियो संदेश में कहा कि विश्व खाद्य दिवस न केवल ग्रह पर हर व्यक्ति को भोजन के महत्व की याद दिलाता है, बल्कि दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा हासिल करने के लिए कार्रवाई को प्रोत्साहित किया है।

उन्होंने कहा, आज लगभग 40 प्रतिशत मानवता 3 अरब लोग स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकते हैं। भूख के बढ़ने से कुपोषण और मोटापा भी बढ़ रहा है। कोविड -19 के आर्थिक प्रभावों ने खराब स्थिति को और भी बदतर बना दिया है। उन्होंने कहा कि महामारी ने अतिरिक्त 14 करोड़ लोगों को अपनी जरूरत के भोजन तक पहुंचने में असमर्थ छोड़ दिया है।

गुटेरेस ने कहा, उसी समय, जिस तरह से हम भोजन का उत्पादन, उपभोग और बबार्दी करते हैं, वह हमारे ग्रह पर भारी पड़ रहा है। यह हमारे प्राकृतिक संसाधनों, जलवायु और प्राकृतिक पर्यावरण पर ऐतिहासिक दबाव डाल रहा है और हमें सालाना अरबों डॉलर खर्च कर रहा है। जैसा कि इस वर्ष का विषय स्पष्ट करता है, परिवर्तन की शक्ति हमारे हाथ में है। इस वर्ष के विश्व खाद्य दिवस की थीम हमारे कार्य हमारा भविष्य हैं।

उन्होंने कहा, पिछले महीने, दुनिया संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन के लिए एकत्रित हुई। खाद्य प्रणालियों को बदलने के लिए देशों ने साहसिक प्रतिबद्धताए कीं: स्वस्थ आहार को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के लिए और खाद्य प्रणालियों को उत्पादन और प्रसंस्करण से लेकर विपणन, परिवहन और वितरण तक हर कदम पर अधिक कुशल, लचीला और टिकाऊ बनाना है। उन्होंने कहा, हम सब बदल सकते हैं कि हम भोजन का उपभोग करने की प्रक्रिया को बदल सकते हैं और अपने लिए और अपने ग्रह के लिए अन्य स्वस्थ विकल्प चुन सकते हैं। हमारी खाद्य प्रणालियों में आशा है। इस विश्व खाद्य दिवस पर, हमारे साथ जुड़ें क्योंकि हम खाद्य प्रणालियों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए परिवर्तनकारी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हर व्यक्ति के लिए बेहतर पोषण, बेहतर वातावरण और बेहतर जीवन प्रदान करते हैं।

संपादकीय

दो बच्चों की नीति जरुरी

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने इस वर्ष दशहरे पर जो भाषण दिया, उसमें ज्यादा ध्यान जनसंख्या के मुद्दे पर गया। उसकी चर्चा सबसे ज्यादा हुई। इस मुद्दे को लोगों ने ज्यादा तूल दिया कि उन्होंने अल्पसंख्यकों की बढ़ती आबादी पर आक्षेप क्यों किया? यह आक्षेप तो इसीलिए किया जाता है कि भारत-विभाजन के वक्त मजहबी संख्या-बल के तर्क के तीर सबसे ज्यादा छोड़े गए थे। यहां असली सवाल यह है कि देश में सबसे ज्यादा किनकी जनसंख्या बढ़ रही है? सबसे ज्यादा बच्चे किनके पैदा होते हैं? क्या आपने पढ़े-लिखे और संपन्न पति-पत्नी के छह-छह आठ-आठ बच्चे होते हुए कहीं देखे हैं ? नहीं। ये बच्चे होते हैं— गरीबों, ग्रामीणों, मजदूरों, अशिक्षितों के परिवारों में। जाहिर है कि ऐसे लोगों में सबसे ज्यादा लोग वे हैं, जो पिछड़े हैं, अल्पसंख्यक हैं, मेहनतकश हैं। देश के मुसलमान इसी वर्ग में आते हैं। जो मुसलमान संपन्न हैं, पढ़े-लिखे हैं, शहरी हैं, क्या उनके घरों में दर्जन-आधा दर्जन बच्चे आपने कभी देखे हैं? यह मामला जाति और मजहब का नहीं, गरीबी और अशिक्षा का है। भारत में यों तो जनसंख्या की रफ्तार पहले के मुकाबले घटी है, खासतौर से मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों, जैनों और बौद्धों की। लेकिन इसके बावजूद लगभग सवा दो करोड़ लोग हर साल बढ़ जाते हैं। इस समय भारत की जनसंख्या 140 करोड़ को छू रही है। शीघ्र ही भारत चीन से आगे निकलनेवाला है। इस समय भारत में जनसंख्या घनत्व काफी ज्यादा है। दुनिया की कुल जनसंख्या की 15 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है और उसके पास दुनिया की कुल 2.4 प्रतिशत जमीन ही है। यदि जनसंख्या-नियंत्रण की कोई स्पष्ट नीति नहीं बनी और आर्थिक विकास की रफ्तार जैसी अभी है, वैसी ही रही तो कुछ ही वर्षों में भारत भुखमरी और बेरोजगारी का अड्डा बन सकता है। इसीलिए अब जरुरी है कि अब दो-बच्चों की नीति भारत सरकार सख्ती से लागू करे। इस कानून में हिंदू-मुसलमान और सवर्ण-शूद्र का कोई भेद नहीं किया जाना चाहिए। जो परिवार दो बच्चों से ज्यादा पैदा करें, उनकी समस्त सरकारी विशेष सुविधाओं पर रोक लगाने में कोई हर्ज नहीं है। परिवार-नियोजन के उपकरणों का मुफ्त वितरण किया जाए। इन कदमों से भी ज्यादा जरुरी यह है कि मेहनतकश लोगों की शिक्षा और आमदनी बढ़ाने पर ज्यादा जोर दिया जाए। यदि सरकार इस समस्या की अनदेखी करती रही तो देश के लिए इसके परिणाम बहुत गंभीर होंगे। अस्थिरता फैलेगी, अपराध बढ़ेंगे और जनसंख्या में अनुपात बिगड़ने पर जातिगत और सांप्रदायिक राजनीति तूल पकड़ेगी। भारत के टुकड़े 1947 की तरह चाहे न हों लेकिन अंदर ही अंदर वह कई टुकड़ों में बंट चुकेगा।

फूट डालो राज करो की गंदी नीति देश की राजनीति से समाप्त हो

हमारा देश चार सौ सालो तक गुलाम रहा।पहले एक के बाद एक विदेशी लुटेरों ने भारत को परेशान किया ,फिर वे भारत की राजनीति कमजोरी का फायदा उठाकर देश का शासक भी बन बैठे।

चार सौ साल की गुलामी ने भारत की अन्दरूनी सारी व्यवस्था को चौपट करके रख दिया है।चाहे आर्थिक स्थिति हो या समाजिक स्थिति हो सब पर अंग्रेजो ने प्रहार किया।अंग्रेजो ने हमारी सदियों पुरानी सामाजिक व्यवस्था, सांस्कृतिक व्यवस्था, शिक्षा व्यवसाय सबको चौपट करके रख दिया ।अंग्रेज तो चले गए परंतु जाते-जाते इस देश का जितना बुरा कर सकते थे ,उतना करके चले गए ।जिससे भारत अभी भी उबर नहीं पाया है।

सदियों से हमारे देश में संयुक्त परिवार की परंपरा थी। घर के मुखिया जो फैसला लेते थे वही सबको मान्य होता था।घर का कोई बड़ा एक मुखिया होता था।वही घर के आर्थिक और सामाजिक सभी फैसले लेते थे।इनके फैसले में घर के सभी सदस्यों की रजामंदी होती थी । संयुक्त परिवार के कारण किसी भी फैसले पर अमल करने में आसानी होती थी।

इस संयुक्त परिवार में जहां कुछ दोष थे वही बहुत सारे गुण भी थे ।इसी संयुक्त परिवार की परंपरा ने मुगलों के शासनकाल में लुटेरों और मुगल शासको से भारतीय परिवारों की रक्षा की । प्राचीन काल से लेकर , जब तक मुगल रहे ,तब तक भारत में संयुक्त परिवार परम्परा भी कायम रही। परंतु अंग्रेजो की नीतिज्ज फूट डालो और राज करोज्ज की नीति ने पहला वार, परिवार पर ही किया।

बड़े बड़े राजघरानों के परिवारों में अंग्रेजों ने फूट डालकर धीरे-धीरे उस राजघराने को कमजोर किया । फिर धीरे धीरे कब्जा करते करते पूरे भारत पर कब्जा कर लिया।

किसी राजघराने के दत्तक पुत्र को मान्यता नहीं दी ।किसी राजा को अयोग्य ठहरा कर मान्यता नहीं दी ।किसी की आर्थिक स्थिति का हवाला देकर मान्यता नहीं दी।

यह सब अंग्रेजो ने फूट डालकर किया ।

अंग्रेज तो चले गए परंतु फूट डालो और राज करो की नीति भारतीय लोगो एवं भारतीय नेताओ को सिखाते गए।

इसी नीति ने भारतवासी को पूरी तरह से बदल दिया। आज हमारे देश के राजनीति पार्टी के नेता भी बड़े मजे से इसी नीति को अपना कर राजनीति कर रहे हैं ।।

आम जनता को पता भी नहीं चलता कि ,राजनीतिक पार्टियो दो जातियों के बीच दो क्षेत्रो के बीच ,दो समुदाय के बीच,: फूट डालो राज और करोज्ज की गंदी नीति के द्वारा नेतागण राजनीति कर रहे है??

अंग्रेजो की नीति अजादी के बाद भी देश में फल फूल रही है । नेतागण लोगो में फूट डालकर अपनी राजनीति रोटी सेक रहे हैं ,और आमजनता को खिलारहे है कच्ची रोटी और हम से वोट अपने मनमाने ढंग से ले रहे हैं ।तरह तरह के वाद में जनता आपको को डुबाकर और जनता आपको लगता है कि, हमने अपनी मर्जी से वोट दिया है।पर हमारे सामने विकल्प ही नही होता कि ,हम सही नेता की पसंदगी कर सके,उसको उतार सके और उसको जीता सके एवं हम जनता इस चीज को देखी नहीं पा रहे हैं जो महत्वपूर्ण है ।

संयुक्त परिवार टुटता गया ,एवं लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में व्यस्त होते गए। अपनी जरूरतो को पूरा करने के अलावा समय ही नही है कि,हम देश की राजनीति पार्टियाँ, सत्ताधारी पार्टी के लोग कर क्या रहे है ??इस बात को देखने समझने और विरोध करने के लिए जनता के पास समय ही नही है।

लोकतंत्र में आम जनता ही सर्वेसर्वा होती है ,पर यह वाक्य भारत की राजनीति में पूरा सच नही है। यदि सच होता तो हमारा देश आज अन्य विकसीत राष्ट्र की तरह विकसीत होता??

ये सच है कि, आम जनता के ही बलबूते पर शासन तंत्र का कोई व्यक्ति सांसद या विधायक बनता है। परंतु

हमारे द्वारा दिए गए वोट में मर्जी राजनीतिदल के नेताओ की होती है। ये नेतागण जनता के सामने इस तरह का पार्टीवादी ,क्षेत्रवादी ,जातिवादी लोभवाद स्वार्थ वाद का जाल बिछाती है कि,हम आम जनता आसानी से इनके जाल में फस जाते है।

हमे लगता है कि ,हमने अपनी मर्जी से वोट दिए मगर ,ऐसा नही है। वोट हमने नेताओ की मज़ी से किया है क्योकि ,इन्होंन हमारे सामने रास्ता ही नही छोड़ा है।हमारे सामने भ्रम का जाल ऐसा बिछा कर रखा है कि ,हम दूर तक सोच ही नही पाते है।राजनीति पार्टीयाँ अपने समीकरण के हिसाब से जाल बिछाती है और हम आराम से फस जाते है।

हमारे गलत-सलत फैसलों का लाभ ये नेतागण उठाते है।हमें लगता है कि ,हमारी लोकतंत्र में हिस्सेदारी है ,मगर मात्र वोट देने भर की हिस्सेदारी है।

उसके बाद ये नेतागण राजा और हम लाचार बेब्स प्रजा बने रहते है यह कहा जाएं तो भी सही रहेगा जनता मालिक होते हुए भी नौकर बनकर रह गए हैं । गलती तो हम आम जनता की ही है ।मौका हमे हर पाँच साल में मिलता है ।हम चाहे तो देश की राजनीति में बदलाव ला सकते है,यह क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया सकते हैं आपके हमारे अच्छे दिन ला सकते हैं पर न जाने कितने पाँच साल हम गवाँते रहते है। अपनी निष्क्रियता की वजह से नेगेटिव मानसिकता की वजह से और तरह तरह के वाद में डुबे रहने से

शहर हो या गांव हो विधायक हो या सांसद हो पाँच साल तक अकर्मण्य होकर सत्ता का सुख भोंगते रहते हैं सड़कों पर बड़े बड़े गड्ढे, ठप बिजली व्यवस्था , नाला जाम ,अस्वच्छता सरकारी विद्यालय एवं सरकारी अस्पतालों का खस्ताहाल , अतिक्रमण इन सब बातों से नेतागण अनजान रहते है । और यही गंदी राजनीति ने देश में हर विभाग हर क्षेत्र को अपनी गंदी सोच गंदी राजनीति जैसा बना दिया कोई नेतागण कुछ करते भी है तो जनता और नेता के बीच के लोग भष्टाचार का खेल खेलने लगते है। सही से काम करने की अपेक्षा सही से जेब गरम करने लगते है।

इन सब के लिए आखिर हम आम जनता ही जिम्मेदार हैं ।जैसा नेता हम चुनते है हमे वैसा ही विकास मिलता है। परेशानी हम आम जनता को होती है।

मेरा मानना है कि,अब वक्त आ चुका है हम जनता अपनी सोच को बदले । और देश के विकास में भागीदार बने।

तभी देश का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। जब तक चुनाव में हम सही नेता को नही चुनेंगे तब तक देश का विकास असंभव है।

लेखिका: सुनीता कुमारी पूर्णियाँ ,बिहार

'आज के ट्वीट

सराहना

अपनी स्थापना के चार साल के अंदर ही, SUGAR Cosmetics ने 100 करोड़ से अधिक की कमाई की है जिसके लिए कई बड़े ब्रांड्स को लगभग 20 साल लग जाते हैं। अपनी नई सोच और मेहनत के दम पर श्रीमती विनीता सिंह ने आज यह कंपनी खड़ी कर दी है। इस मेहनत और लगन की तहे दिल से सराहना है।

-- विवेक बिन्द्रा

यौगिक विद्या

जग्गी वासुदेव

यौगिक विद्या में एक सुंदर कहानी के मुताबिक एक व्यक्ति घूमने गया। चलते-चलते स्वर्ग में पहुंच गया। बहुत दूर चलने पर उसे थकान महसूस हुई। सोचने लगा, 'काश! कहीं आराम करने की जगह मिल जाए'। उसे सुंदर वृक्ष दिखाई दिया जिसके नीचे अद्भुत कोमल घास थी। वो वहां जा कर सो गया। सोकर उठा तो सोचा,'अरे, मुझे भूख लगी है। काश! कुछ खाने को मिल जाए'। उसने उन स्वादिष्ट व्यंजनों के बारे में सोचा जो खाना चाहता था। वह सब भोजन उसके सामने प्रकट हो गया। जब भोजन कर लिया तो उसे ख्याल आया,'आहा, कुछ पीने को मिल जाए'। उसने उन पेय पदाथरे के बारे में सोचा जो पीना चाहता था और तुरंत वे सब उसके सामने आ गए। उसने उन भूतों को देखा तो डर गया और बोला,'अरे, यहां चारों ओर भूत हैं, शायद ये मुझे यातना देंगे'। तो तुरंत उन भूतों ने उसे सताना करना शुरू कर दिया। उसने सोचा,'अरे ये भूत मुझे तकलीफ दे रहे हैं, जरूर मुझे मार डालेंगे'। योग में मन को मरकट यानी बंदर नाम से भी बुलाते हैं क्योंकि उसका स्वभाव ऐसा है। 'बंदर' शब्द नकल करने का पर्यायवाची हो गया है। आप कहते हैं कि आप किसी का बंदर कर रहे तो इसका अर्थ होता है कि आप उसकी नकल उतार रहे हैं। आपका मन हमेशा यही काम करता रहता है तो एक अस्थिर, अशांत, अस्थापित मन को बंदर भी कहते हैं। तो यह 'बंदर' जब उस व्यक्ति में सक्रिय हो गया जो वहां स्वर्ग में मजे ले रहा था तो उसने सोचा,'ये सब क्या गड़बड़ चल रही है? मैंने जो खाना चाहा, आ गया, जो पीना चाहा, आ गया, शायद यहां चारों ओर भूत हैं' उसने देखा तो उसे भूत दिखाई दिए। उसने भूतों को देखा तो डर गया और बोला,'अरे, यहां चारों ओर भूत हैं, शायद मुझे यातना देंगे' तो तुरंत उन भूतों ने उसे सताना करना शुरू कर दिया। उसने सोचा,'अरे ये भूत मुझे तकलीफ दे रहे हैं, जरूर मुझे मार डालेंगे' और वह मर गया। समस्या यह थी कि वह एक कल्पवृक्ष के नीचे बैठा था, जो आप की हर इच्छा पूरी कर देता है। अच्छी तरह स्थापित, स्थिर मन को कल्पवृक्ष कहा जाता है, ऐसे मन से आप जो सोचते हैं, वह हो जाता है। जीवन में आप भी एक ऐसे ही कल्पवृक्ष के नीचे बैठे हैं तो आप को अपने मन का विकास उस सीमा तक करना चाहिए कि वह कल्पवृक्ष बन जाए, वह पागलपन का स्रोत न बने।

शांति चाहिए, तो औरतों को आगे कीजिए

मायरलिस एंगरलिता, मानवाधिकार कार्यकर्ता

अशांत इलाकों में जीने वाले लोगों की हर सुबह ही नई आशंकाओं के बीच होती है। तरह-तरह की पाबंदियां मानो उन भौगोलिक क्षेत्रों में जन्मे लोगों की नियति का अनिवार्य हिस्सा हों। मगर कोलंबियाई सूबे बोलिवर में 1980 में पैदा हुई मायरलिस को बचपन से ही पाबंदियों, रूढ़ियों से चिढ़ सी थी। चलन के विपरीत उन्हें लड़कों की तरह छोटे बाल पसंद थे, फुटबॉलर बनने की चाहत थी, हालांकि, पिता प्रशासनिक अधिकारी या वकील बने देखना चाहते थे। ज्यादातर बच्चों की तरह मायरलिस भी अपनी मां ग्लोरिया रॉबलेस सैंगिनो के काफी करीब थीं। जब भी स्कूल से लौटतीं, तो मां का आलिंगन और मनपसंद व्यंजन इंतजार करता मिलता। मां ढेर सारा खाना पकाती थीं, क्योंकि गृहयुद्ध में फंसे मुल्क में न जाने कौन भूखा दर-बदर होकर उनके दरवाजे पर आ खड़ा हो! वे अजीब दिन थे। अर्द्धसैनिक बल के जवान समझते कि मायरलिस का परिवार बागियों की मदद करता है और गुरिल्ला लड़ाकों को लगता कि वे लोग सरकार के हिमायती हैं। मायरलिस तब 15 साल की थीं। एक दिन उनके चाचा का अपहरण हो गया। अद्धसैनिक बल के एक पूर्व प्रमुख ने उन्हें अगवा कर इतना प्रताड़ित किया था कि उनकी जान चली गई। परिवार सदमे में था। अभी इस वारदात को कुछ ही महीने बीते थे कि एक दिन मायरलिस की मां गायब हो गईं। वह हमेशा की तरह पड़ोस के कस्बे में अपनी बहन से मिलने गई थीं, मगर वापस नहीं लौटीं। उन हजारों गुमशुदा लोगों में एक नाम ग्लोरिया रॉबलेस सैंगिनो का भी है, जिनके गायब होने का राज कभी नहीं खुला। जाहिर है, मायरलिस के पिता बुरी तरह डर गए। अपने तीनों बच्चों के साथ उन्होंने वह इलाका छोड़ने का फैसला किया। उन्हें अपने ससुराल पक्ष के एक रिश्तेदार के यहां पनाह मिली। चंद महीनों के भीतर ही जैसे सब कुछ उजड़ गया था। अपने आरामदेह आशियाने से वे एक छोटे से गंदे कमरे में पहुंच गए थे, जहां फर्श पर दरी बिछाकर सोना पड़ रहा था। जिंदगी शून्य पर आ गई थी। स्कूल छूट चुका था और एक बेचैन सवाल हरदम पीछा करता रहता- आखिर मेरी मां के साथ क्या हुआ? उन दिनों कोलंबिया में दर-बदर हुए लोगों को समाज में बहुत अच्छी नजरों से नहीं देखा जाता था। ऐसे में, मायरलिस शांति-प्रक्रिया के लिए सक्रिय सरकारी संगठन 'नेशनल नेटवर्क ऑफ इनीशिएटिव्स फॉर पीस ऐंड अगेंस्ट वार' से जुड़ गईं। देखते-देखते चार साल बीत गए थे। एक दिन अल सालादो कस्बे की घटना मायरलिस के कानों में पड़ी। दक्षिणपंथी अर्द्धसैनिक बल ने वामपंथी गुरिल्ला लड़ाकों के इस गढ़ पर 18 फरवरी, 2000 को सुबह-सुबह धावा बोल दिया था। काफी बर्बरता के साथ 100 से ज्यादा लोग मार डाले गए थे, अनेकों त्रियों के साथ सामूहिक दुराचार हुआ था, यहां तक कि शवों के साथ पाशविकता की गई थी। 19 साल की मायरलिस ने जब इस क्रूर हत्याकांड के ब्योरे सुने, तो उनसे रहा नहीं गया। अगली सुबह वह वॉलंटियरों व स्थानीय पादरी के साथ अल सालादो में थीं। चारों तरफ कहर के निशान बिखरे पड़े थे। बचे हुए लोग अपनों के शव समेट रहे थे, ताकि शहर के सेंट्रल पार्क में खोदे गए एक बड़े से कुंड में उन्हें डाल सकें। उस दृश्य को देखकर मायरलिस के मन में यही ख्याल आया कि इन्होंने जो भोगा है, उसके आगे तो उनका गम कुछ भी नहीं है। मायरलिस समझ चुकी थीं कि इस लड़ाई को गोलियों से नहीं जीता जा सकता। और फिर उन्होंने मार्च 2000 में 'नैरर पारा विविर' (जीवन-गाथा) संस्था की नींव रखी। वह जानती थीं कि सरकार मकान दे देगी, सड़क बना देगी, मगर जो जख्म लोगों के मन पर लगा है, वह इस सबसे न भर सकेगा। अल सालादो की महिलाओं को उन्होंने गले लगाया और आंसुओं के साथ भीतर जमी पीड़ा को बहने देने के लिए उन्हें प्रेरित किया। पीड़ित महिलाओं को शांतिपूर्ण प्रतिरोध का मंच मुहैया कराकर मायरलिस ने न सिर्फ उन्हें जिंदगी की ओर मोड़ा, बल्कि कोलंबिया सरकार और दुनिया को बताया कि कोई भी शांति प्रक्रिया औरतों की सक्रिय भागीदारी के बिना मुकम्मल नहीं हो सकती, क्योंकि उन्हें इसका दंश सबसे अधिक भोगना पड़ता है। उनकी इस पहल ने संयुक्त राष्ट्र का ध्यान खींचा और उसने भी वहां प्रत्येक शांति प्रक्रिया में त्रियों की अनिवार्य भागीदारी का समर्थन किया। मायरलिस की संस्था के अनुरोध पर कोलंबिया सरकार ने युद्ध पीड़ित महिलाओं के हक में कई कानूनी सुधार किए हैं। उनकी संस्था से 800 से अधिक महिलाएं जुड़ चुकी हैं। जाहिर है, कई लोगों को उनकी यह हैसियत नहीं पचती। मगर तीन बार जानलेवा हमले झेल चुकी मायरलिस आज कई अहम समितियों का हिस्सा हैं। उनकी संस्था देश में लैंगिक भेदभाव के खिलाफ भी काफी सक्रिय रही है। उन्हें कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया है। हाल ही में अमेरिका ने उन्हें दुनिया की सबसे बहादुर महिलाओं में से एक माना है।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

फिर से जीना

कैमरा एक ऐसी इन्वेंशन है, जो हमें वक्त को कैप्चर करने में मदद करती है और सालों बाद भी हम उन पलों को फिर से जी सकते हैं, तो जिसके पास भी कैमरा है, उसके पास मानो टाइम मशीन है।

■ नील नितिन मुकेश

प्रसंग

कानून का पालन

नागपुर की घटना है। कृष्ण माधव घटाटे गुरुजी मा. स. गोलवरकर को कार में कहीं ले जा रहे थे। कार पटवर्धन मैदान के निकट चौराहे के पास पहुंची। यह चौराहा काफी छोटा है। उस समय चौराहे पर यातायात पुलिस नहीं थी। इसलिए कृष्ण माधव घटाटे ने चौराहे का चक्कर न लगाते हुए कार को दायीं ओर मोड़ना चाहा। इस पर गुरुजी एकदम नाराज हो उठे ओर कृष्ण माधव घटाटे को पुनः चौराहे का चक्कर लगा कर ही कार दायीं ओर घुमाने को विवश किया। उन्होंने कहा, कानून का पालन न करना भीरुता है। पुलिस की अनुपस्थिति में कानून तोड़ना कोई साहस की बात नहीं है। हमें कोई देख रहा है अथवा नहीं इसकी चिंता न करते हुए, हमें व्यक्तिगत अथवा सामाजिक कानूनों का पालन करना ही चाहिए, फिर इसमें हमें कितना ही कष्ट क्यों न उठाना पड़े।

अपने ही मन से कुछ बोले

क्या खोया, क्या पाया जग में
मिलते और बिछुड़ते मग में
मुझे किसी से नहीं शिकायत
यद्यपि छला गया पग-पग में
एक दृष्टि बीती पर डालें,
यादों की पोटली टटोलें!
पृथ्वी लाखों वर्ष पुरानी
जीवन एक अनन्त कहानी
पर तन की अपनी सीमाएं
यद्यपि सौ शरदों की वाणी
इतना काफी है अंतिम दस्तक पर,
खुद दरवाजा खोलें!
जन्म-मरण अविरत फेरा
जीवन बंजारों का डेरा
आज यहां, कल कहां कूच है
कौन जानता किधर सवेरा
अंधियारा आकाश असीमित,
प्राणों के पंखों को तौलें!
अपने ही मन से कुछ बोलें!

■ अटल बिहारी वाजपेयी

बुला रहे हैं भगवान

अगर आप कठिन दौर से गुजर रहे हैं या सामान्य स्थिति में हैं। दोनों हालातों में प्रार्थना से ताकत मिलती है। आज भगवान सभी की सुन रहे हैं। सिर्फ आपको नियमित प्रार्थना करने की जरूरत है, फिर देखिये आपकी प्रार्थना कितनी जल्दी स्वीकार होती है।

दुःख में सिमरन सब करें, सुख में करे न कोय।
जो सुख में सिमरन करे, तो दुःख काहे को होय।।

कबीर का यह दोहा आज भी सटीक है। कठिन समय में तो प्रार्थना असर करती ही है, सामान्य स्थितियों में भी वह भीतर से ताकत देती है। सामान्य दिनों में जो लोग नियमित प्रार्थना करते हैं, वे निराशाजनक स्थितियों में अपनी भावनाओं को संभाल लेते हैं। यानी विचलित नहीं होते। यूनिवर्सिटी ऑफ विंसकान्सिन (मेडिसिन) के स्नातक विद्यार्थियों ने एक सर्वे में यह पाया। उनके अनुसार सप्ताह में एक बार प्रार्थना करने वाले अमेरिकी बीमारी, उदासी, सदमे और गुस्सा पैदा करने वाले हालातों में अपने आप को सहज रख पाते हैं। सर्वे में शामिल लोगों में करीब चालीस प्रतिशत लोगों का यह हाल था।

आया बदलाव

यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने अपने ही बीच के विद्यार्थी शेन शार्प के नेतृत्व में बारह सौ ऐसे लोगों से साक्षात्कार किए, जो अपने करीबी व्यक्ति की हिंसा का शिकार हो चुके हैं। जिन लोगों से बातचीत की गई, वे ज्यादातर रविवार को नियमित रूप से चर्च जाते थे।

प्रार्थना से मिलता है बल

शार्प का कहना है कि रोज प्रार्थना करने वालों को सर्वे में शामिल किया जाता, तो हो सकता है नतीजे और अच्छे होते। फिर भी साप्ताहिक प्रार्थना में शामिल लोगों का कहना था कि उन्हें अपने साथ हिंसा करने वाले करीबियों पर गुस्सा तो आया, लेकिन कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। सिर्फ यही माना कि प्रार्थना के समय वे ईश्वर से इन लोगों को माफ करने और अच्छी बुद्धि देने के लिए कहेंगे। सर्वे में शामिल लोगों से पूछा गया कि उन्हें अपने साथी के व्यवहार पर तुरंत गुस्सा क्यों नहीं आया, इस पर सोलह प्रतिशत लोगों का कहना था कि उन्हें गुस्सा तो आया और बदले की कार्रवाई का विचार भी उठा, लेकिन तुरंत यह ख्याल आया कि इससे हिंसा और बढ़ेगी।

ऐसे करो शिकायत

इसके बदले यह ज्यादा आसान लगा कि भगवान से शिकायत करने और उस पर चिल्ला सकें। प्रार्थना में भगवान को कुछ भी कोसने पर वैसा ही जवाब आने का डर नहीं होता। शार्प के अनुसार प्रार्थना करते वक्त सताए हुए लोग यह सोचते रहते हैं कि भगवान उन्हें देखता रहता है। यह सोच काल्पनिक ही होती है। लेकिन इससे उन्हें अपनी कीमत और हैसियत समझने में मदद मिलती है। ईश्वर से मांगना प्रार्थना है और ईश्वर को सुनना ध्यान है। मौन सबसे श्रेष्ठ प्रार्थना है। हम अकसर किसी भाषा में प्रार्थना करते हैं - हिन्दी, अंग्रेज़ी, जर्मन...। वास्तव में सभी का एक ही मतलब है। मौन उससे अगला कदम है। मौन वो भाषा है जिसे सारी सृष्टि समझती है। शब्दों में की गई प्रार्थना का मकसद भी भीतर मौन पैदा करना है। शब्दों का उद्देश्य मौन पैदा करना और श्रम का उद्देश्य विश्राम देना है। गहरा विश्राम तृप्त करता है। वही तृप्ति और पूर्णता तुम्हें आनंदित करता है। प्रेम का मकसद तुम्हारे भीतर आनंद की लहर जगाना है।

मेरी वास्तविक आवश्यकता

सांसारिक अभाव की पूर्ति, निर्दोष धन-मान आदि की प्राप्ति, रोग-नाश, स्वास्थ्य-लाभ, विपत्ति-निवारण आदि के लिये भी विश्वासपूर्वक प्रार्थना करने पर निस्संदेह आश्चर्यजनक फल प्राप्त होता है। पर ये सब प्रार्थनाएं ऐसी ही हैं, जैसे प्रकाश पुंज सूर्य से जुगनू का प्रकाश चाहना, अन्त वैभवशाली उदार सम्राट से कौड़ी मांगना। अनित्य और अपूर्ण वस्तु या स्थिति विशेष की प्राप्ति के लिए भगवान से प्रार्थना करना कदापि बुद्धिमानी नहीं है। यह एक प्रकार का लड़कपन है और लड़कपन समझकर भगवान् अप्रसन्न नहीं होते और सकाम भावना से आर्तिनाश, अर्थप्राप्ति आदि के लिये भी अनन्यभाव से केवल भगवान से ही प्रार्थना करते रहने पर भगवान अपने सहज दयालु शील-स्वभाववश उसकी सकामता का हरण करके अन्त में उसे अपनी निष्काम भक्ति देकर अपनी प्राप्ति करा देते हैं - कैसे भी भजें, भगवान को भजने वाला अन्त में भगवान को पा जाता है - 'मद्भक्ता यान्ति मामपि।'

किसी का अहित न करें

ऐसी कोई प्रार्थना कभी नहीं करना चाहिए, जिससे किसी भी रूप में दूसरे प्राणी का किसी प्रकार का भी तनिक भी अहित होता हो। हमारी दृष्टि में अविद्या जनित अहंता-ममतावश अपना-पराया है। भगवान की दृष्टि में सभी उनके स्वरूप हैं या उन्हीं के अंग हैं। हम किसी के स्वरूप या अंग का अहित उसी से चाहेंगे तो वह कैसे प्रसन्न होगा। भगवान् के शरीर के एक अंग हम यदि कहें - 'हे भगवन्! तुम्हारा अमुक अंग मुझे नहीं सुहाता, उसे दण्ड दीजिये, काट डालिये।' तो क्या वे हम पर प्रसन्न होंगे? किसी स्नेहमयी मां से उसका एक कोई पुत्र कहे कि 'मां! मेरे अमुक भाई या बहन अच्छे नहीं हैं, तुम उन्हें मारो' - तो क्या मां प्रसन्न होंगी? यदि उनका बर्ताव ठीक ही हो और मुझे ही अपनी दूषित वृत्ति या दृष्टि से उनमें दोष दिखता हो तो स्नेहमयी मां! तुम मेरी दूषित वृत्ति या विपरीत दृष्टि का नाश कर दो, जिससे मैं उनके दोष देखना छोड़ दूं।'

क्या है आदर्श प्रार्थना

प्रार्थना का अर्थ है—जीवात्मा के साथ सक्रिय, अनन्य भक्ति, प्रेममय सम्बन्ध। आदर्श प्रार्थना साधक की ईश्वर-प्राप्ति के लिए आर्तता या आकुलता की भावना की अभिव्यक्ति है। सच्ची हृदय से निकली हुई प्रार्थना तुरन्त फलदायिनी होती है। आदर्श प्रार्थना में शरीर, मन, वाणी—तीनों का सहयोगी होता है। तीनों अपने आराध्यदेव की सेवा में एकरूप होते हैं। प्रार्थना काल में शरीर का रोम-रोम पुलकित होता है। मन में उठने वाली प्रत्येक वृत्ति भगवत्प्रेम से सराबोर होती है। मुंह से निकलने वाला प्रत्येक शब्द भगवत्प्रेम से परिलुप्त होता है। प्रार्थना की महिमा का जितना भी वर्णन किया जाए, उतना ही थोड़ा है। हृदय से निकली हुई सच्ची प्रार्थना में अगाध शक्ति होती है, क्योंकि हृदय की प्रबल भावभक्ति में पत्थर को भी पिघलाने की ताकत होती है। फिर भगवान् जिनके प्रति प्रार्थना की जाती है, वे जीव के जन्म-जन्मान्तर के परम हितैषी, दयानिधान और करुणा के असीम सागर हैं। यही कारण है कि सच्ची प्रार्थना-भाव के उदित होते ही मूक भी वाचाल हो जाता है, पंगु गिरिवर लांघ जाता है और असम्भव कार्यों का भी क्षणमात्र में सम्पादन हो जाता है।

ऐसा हो पूजा घर

घर में इन्टीरियर के अलावा पूजा घर या पूजा स्थल का भी अपना महत्व होता है। इसकी दिशा-दशा का ध्यान रखना अति आवश्यक है। विशेषज्ञों के अनुसार पूजा रूम के लिए घर का उत्तर-पूर्व कोना अच्छा होता है, क्योंकि यह ईशान अर्थात् ईश्वर का स्थान होता है। दक्षिण में तो पूजा रूम कतई नहीं होना चाहिए।

- किसी भी मूर्ति को पूजा रूम के पूर्व या पश्चिम में रखना चाहिए। इसे उत्तर या दक्षिण दिशा की ओर नहीं रखना चाहिए, जिससे कि पूजा करते समय मुंह पूर्व या पश्चिम की ओर रहे।
- घर के पूजा रूम में रखी जाने वाली मूर्तियों का आकार तीन इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए।
- मूर्तियों या तस्वीरों को आमने सामने नहीं रखना चाहिए। मूर्ति यदि टूटी फूटी हो या उसमें किसी प्रकार की दरार हो तो उन्हें पूजा घर में ना रखें।
- मूर्तियां संगमरमर या लकड़ी की अच्छी होती है तथा मूर्तियां रखने के लिए प्लेटफार्म लकड़ी की सबसे अच्छी होती है। घर सकारात्मक ऊर्जा आती है।
- दीवारों के रंग के लिए सफेद, क्रीम या हल्के नीले रंग का प्रयोग करना चाहिए।
- रसोईघर तथा बाथरूम के साथ लगे पूजा घर नहीं बनवाएं।
- पूजा रूम घर के अंदर ग्राउंड फ्लोर पर सही होता है। बेसमेंट या पहली मंजिल पर नहीं। इससे आर्थिक नुकसान शुरू हो जाता है।
- देवी-देवताओं की मूर्तियों या तस्वीरों में उनका चेहरा साफ-साफ नजर आना चाहिए। फूल माला आदि किसी भी चीज से चेहरा ढंका नहीं होना चाहिए।
- यदि छोटा घर हो तो पूजा की जगह बच्चों के बेडरूम में उत्तर पूर्व कोने में बनवाएं।
- पूजा रूम का दरवाजा लकड़ी का ही होना चाहिए और खिड़की पूर्व या उत्तर दिशा में बनवाएं।

फेंगशुई से लाएं जीवन में बहार

पानी का फव्वारा

यदि आपके कार्यक्षेत्र में बार-बार व्यवधान आ रहे हैं और किसी कार्य में सफलता नहीं मिल रही तो उत्तर दिशा में बहते पानी का फव्वारा रखने से सफलता मिलेगी।

संगीत घड़ी

मधुर संगीत उत्पन्न करने वाली घड़ी घर में ऊर्जा का संतुलन बनाती है। ऐसी घड़ी घर के बाहर बरामदे में या गैलरी में नहीं लगानी चाहिए। हर समय ध्वनि पैदा करने वाली घड़ी भी नकारात्मक प्रभाव डालती है।

नोकदार क्रिस्टल

यदि ड्रांइग रूम में टेबल पर मध्य में नोकदार क्रिस्टल रखा जाए तो व्यक्ति का जीवन काफी व्यवस्थित होगा। अगर ऐसे क्रिस्टल का उपयोग पेपरवेट के रूप में किया जाए तो कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित सफलता मिलती है।

गोल्डन मनी कैट

फेंगशुई के जानकार इसे बैंक का दर्जा देते हैं। गोल्डन कलर की यह खूबसूरत बिल्ली धन-दौलत और सुरक्षा की सूचक मानी जाती है। कहते हैं कि गोल्डन मनी कैट इसके पंजे में भाग्य को अपने पास रखने की ताकत है। चीनी व्यापारी इसे अपने व्यापार स्थल पर जरूर रखते हैं, जिससे खुशहाली आती है और भाग्य आपका साथ देता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसे व्यापार स्थल पर किसी ऊपरी जगह रखा जाना चाहिए। चीनी लोगों का मानना है कि रोजाना इसके पास कुछ न कुछ पैसे जरूर रखना चाहिए। बिल्ली को बुरी नजर और आत्माओं को दूर रखने वाला मानते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह अंधेरे में भी देख सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो दौलत बढ़ाने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व में और दिमाग को तेज करने के लिए उत्तर-पूर्व में रखिए।

धन दिलाएगा मछलीघर

फेंगशुई के अनुसार, आपके मकान में लघु मछलीघर होना चाहिए। मछलियां रखना सौभाग्य में वृद्धि करने का एक कारगर उपाय है। लघु मछलीघर या फिश बाउल में कुछ गोल्ड फिश रखना चाहिए। इनमें से आठ 8 मछलियां लाल या सुनहरे की तथा एक मछली काले रंग की होना चाहिए। कभी अचानक आपकी गोल्ड फिश मर जाए तो आप बिलकुल चिंता ना करें। आप तुरंत नई मछली ले आइये और उसे बदल दीजिए। ऐसी मान्यता है।

कि जब आपके घर की कोई गोल्ड फिश मर जाती है तो वह आपके कई दुर्भाग्यों को भी अपने साथ ले जाती है। अगर ऐसा ना हुआ होता तो यह आपत्ति आपके परिवार के किसी सदस्य पर आ सकती है।

गोल्ड फिश रखने का सबसे अच्छा स्थान दीवानखाना है और इसको रखने की सही दिशा पूर्व, उत्तर, एवं उत्तर-पूर्व है। गोल्ड फिश अपने शयनकक्ष, रसोईघर (भोजनकक्ष) अथवा बाथरूम में कभी भूल कर भी ना रखें। इससे आपकी संपत्ति का नुकसान हो सकता है यानी कही पर हानि या घाटा होने की संभावना बन जाती है। आप अपने घर के मुख्य द्वार के दाहिनी ओर कभी भूल कर भी अपना लघु मछली घर न रखें। दाएं और बाएं का निर्धारण अपने घर के अंदर खड़े हो कर मुख्य द्वार की ओर मुंह करके करें।

इससे घर के पुरुष की नजर पराई स्त्रियों पर रहती है, जो कि घर के लिए उचित नहीं होती है। यदि पानी वाली वस्तुएं सही स्थान पर रखी जाए तो यह भाग्य के लिए बहुत ही लाभदायक हो सकती है। यदि इन्हें गलत स्थान पर रख दिया जाए तो यह भाग्य के लिए अत्यंत हानिप्रद साबित होती है। जिंदा मछलियों के बदले आप नीले पानी में ऊपर कूदती हुई डॉल्फिन मछली के चित्र या पोस्टर का भी प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन जीवित गोल्ड फिश मछली अति उत्तम फलदायक होती है।

व्हाट्सएप जल्द ही आईओएस यूजर्स के लिए रोलआउट करेगा नए मैसेज रिएक्शन फीचर

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक के स्वामित्व व्हाट्सएप नए रिएक्शन फीचर्स पर काम कर रहा है, यह प्लेटफॉर्म नया बीटा वर्जन रिएक्शन नोटिफिकेशन को नई सेटिंग्स के साथ मैनेज करने की क्षमता देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही व्हाट्सएप इस फीचर पर काम कर रहा है, लेकिन पब्लिक बीटा टेस्टर्स के लिए इसे आजमाने के लिए प्रतिक्रियाएं अभी भी उपलब्ध नहीं हैं। पहले कहा गया था कि संदेशों में बहुत सारे प्रतिक्रियाएं शामिल हो सकती हैं, लेकिन अब 999 तक पहुंचने पर उनकी गिनती बंद हो जाएगी, उसके बाद एक प्लस चिन्ह दिखाई देगा। व्हाट्सएप मल्टी-डिवाइस सपोर्ट 2.0 पर भी काम कर रहा है, जो एक आईपैड ऐप लाएगा और यूजर्स को अपने फोन के साथ या बिना इंटरनेट कनेक्शन के भी ऐप से कनेक्ट होने देगा। वर्तमान में, इसके डेस्कटॉप ऐप के लिए सार्वजनिक बीटा टेस्टर पहले से ही मल्टी-डिवाइस बीटा प्रोग्राम में शामिल होने में सक्षम हैं, जो आपको इंटरनेट से जुड़े स्मार्टफोन की आवश्यकता के बिना जोड़े गए चार उपकरणों के साथ व्हाट्सएप यूज करने देता है। हाल ही में, व्हाट्सएप ने आईओएस और एंड्रॉइड यूजर्स के लिए विश्व स्तर पर एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड चैट बैकअप को रोल आउट करना शुरू कर दिया।

सैमसंग गैलेक्सी एस22 और एस22प्लस में व्यापक डिस्प्ले होंगः रिपोर्ट

सियोल। सैमसंग जल्द ही अपना अगला प्रीमियम फ्लैगशिप गैलेक्सी एस22 और गैलेक्सी एस22प्लस लॉन्च करने की योजना बना रही है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, एस22 जेनरेशन मौजूदा एस21 की तुलना में थोड़ा चौड़ा और कम पतली और लंबा होगा। जीएसएमअरेना ने बताया कि टिपस्टर आइस यूनिवर्स के अनुसार, स्मार्टफोन के किनारे कम से कम बेजल्स के साथ थोड़े गोल होंगे। टिपस्टर ने कहा, यह पहली बार है, जब हमने गैलेक्सी एस22 और एस22प्लस के टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर को देखा है। वे एस21 श्रृंखला की तुलना में अधिक गोल और थोड़े मोटे हैं। बेजल्स चारों ओर हैं और सभी तरफ सममित प्रतीत होते हैं। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि स्क्रीन प्रोटेक्टर कभी-कभी बेजल अनुपात के मामले में थोड़ा धोखा दे सकते हैं। विनिर्देशों के संदर्भ में कहा गया है कि आगामी श्रृंखला में खराब ऑप्टिकल जूम वाले उच्च-रिजॉल्यूशन सेंसर के विपरीत 3एक्स ऑप्टिकल जूम क्षमताओं के साथ एक नया 10एमपी टेलीफोटो सेंसर हो सकता है। सैमसंग गैलेक्सी एस22/एस22प्लस मॉडल पर एक अलग दृष्टिकोण लेने की योजना बना रहा है जो अगले साल की शुरुआत में आएगा। गैलेक्सी एस22 सीरीज के स्मार्टफोन में 10एमपी का टेलीफोटो लेंस होगा जो गैलेक्सी एस20/एस21 युग के हाइब्रिड जूम के बजाय 10एक्स ऑप्टिकल जूम को सपोर्ट करता है। पिछली अफवाहों ने सुझाव दिया था कि गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा में गैलेक्सी एस21 अल्ट्रा पर दोहरी 10-मेगापिक्सल टेलीफोटो कैमरा सेटअप जारी रखने की उम्मीद है। इनमें से एक लेंस पेरिस्कोप लेंस होगा जो 10एक्स ऑप्टिकल जूम की पेशकश करेगा। गैलेक्सी एस22प्लस के 4,500 एमएएच की बैटरी से लैस होने की उम्मीद है। सॉफ्टवेयर की बात करें तो गैलेक्सी एस22 एंड्राइड 12 पर आधारित यूआई 4.एक्स के साथ प्री-इंस्टॉल होगा।

बिटकॉइन में 5.2 अरब डॉलर के रैंसमवेयर हमलों के पीछे शीर्ष 10 हैकर

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। शीर्ष 10 हैकिंग समूहों ने पिछले तीन वर्षों में बिटकॉइन में 5.2 अरब डॉलर के रैंसमवेयर हमलों को अंजाम दिया है। यूएस ट्रेजरी के वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क (फिन सीईएन) द्वारा शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में पाया गया कि जनवरी 2021 से जून 2021 तक रैंसमवेयर से संबंधित लेनदेन कुल 5.90 अरब डॉलर था, जो पूरे 2020 के लिए रिपोर्ट किए गए 4.16 अरब डॉलर से अधिक था। रिपोर्ट में कहा गया है, 2021 की पहली छमाही के दौरान दायर रैंसमवेयर से संबंधित संदिग्ध गतिविधि रिपोर्ट (एसएआर) के फिनसीएन विश्लेषण से संकेत मिलता है कि रैंसमवेयर अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र, व्यवसायों और जनता के लिए एक बढ़ता खतरा है। कहा गया है कि रैंसमवेयर से संबंधित एसएआर की संख्या मासिक रूप से दायर की गई है, जिसमें 635 एसएआर दायर किए गए हैं और 458 लेनदेन 1 जनवरी, 2021 और 30 जून, 2021 के बीच दर्ज किए गए हैं, जो पूरे 2020 कैलेंडर वर्ष के लिए दायर कुल 487 एसएआर से 30 प्रतिशत अधिक है।

जेडडी नेट की रिपोर्ट के अनुसार, रैंसमवेयर से संबंधित भुगतानों के लिए उपयोग किए जाने वाले 177 अद्वितीय परिवर्तनीय आभासी मुद्रा वॉलेट पते का विश्लेषण किया गया है, जो समीक्षा अवधि के दौरान सार्स में 10 सबसे अधिक रिपोर्ट किए गए रैंसमवेयर वेरिएंट से जुड़े हैं। रिपोर्ट ने वित्तीय संस्थानों से संदिग्ध गतिविधि रिपोर्ट को देखकर 2021 की पहली छमाही में रैंसमवेयर भुगतान में भारी वृद्धि का विश्लेषण किया।

फिन सीईएन ने बिटकॉइन को रिपोर्ट किए गए लेनदेन में सबसे आम रैंसमवेयर-संबंधित भुगतान पद्धति के रूप में पहचाना। शनिवार को बिटकॉइन 60,000 डॉलर प्रति सिक्के पर कारोबार कर रहा था।

ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी जारी, दिल्ली में पेट्रोल 105.84 रुपये प्रति लीटर

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतें रविवार को देशभर में फिर से बढ़ गई है। तेल कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में फिर से 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अपने उच्चतम स्तर 105.84 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में 111.77 रुपये प्रति लीटर हो गई। मुंबई में डीजल अब 102.52 रुपये प्रति लीटर जबकि दिल्ली में इसकी कीमत 94.57 रुपये है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी का यह लगातार चौथा दिन है। 12 और 13 अक्टूबर को दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। डीजल की कीमतों में अब पिछले 23 दिनों में से 19 बार बढ़ोतरी हुई है, जिससे दिल्ली में इस दौरान इसकी खुदरा कीमत में 5.95 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। डीजल की कीमतों में तेजी से वृद्धि के साथ, देश के कई हिस्सों में ईंधन अब 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक पर मिल रहा है।

गूगल ने सरकारी बैंक हैकिंग पर 50 हजार यूजर्स को भेजी चेतावनी

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने कहा है कि अब तक 2021 में उसने 50,000 से अधिक लोगों को चेतावनियां भेजी हैं, जिनके खाते हैकर्स के निशाने पर है। यह साल 2020 की तुलना में इस समय लगभग 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, 50 से अधिक देशों के 270 से अधिक सरकार समर्थित हमलावर समूहों को ट्रैक कर रहा है। ब्लॉगपोस्ट में कहा गया है कि इस साल एक सरकार समर्थित हमलावर - एपीटी 35 जो ईरानी समूह से बाधित है, जो रोजाना उच्च जोखिम वाले उपयोगकर्ताओं को टारगेट करते हैं। यह ग्रूप खातों को हाईजैक करता है, मैलवेयर तैनात करता है और ईरानी सरकार के हितों के अनुरूप जासूसी करने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल करता है। एपीटी35 ग्रुप ने 2017 से सरकार, शिक्षा, पत्रकारिता, गैर सरकारी संगठनों, विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा में उच्च मूल्य वाले खातों को लक्षित किया है। पिछले साल मई में, गूगल ने ट्रैक किया और पाया कि एपीटी35 ग्रूप ने गूगल प्ले स्टोर पर स्पाइवेयर अपलोड किया गया था। ऐप को वीपीएन सॉफ्टवेयर के रूप में अपलोड किया गया था, जो यूजर्स के संवेदनशील जानकारी जैसे कॉल लॉग, टेक्स्ट संदेश, संपर्क और उपकरणों से स्थान जैसे डेटा को चुरा सकता था। गूगल ने इस ऐप का तुरंत पता लगिया और सभी यूजर्स को इसे इंस्टॉल ना करने को कहा और इसे प्ले स्टोर से हटा दिया।

अमेरिकी व्यवसायियों के साथ सीतारमण की मैराथन बैठकों का दौर न्यूयॉर्क में जारी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी व्यवसायिकों और संस्थानों के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बैठकों का दौर जारी है। इसमें दो प्रमुख निवेशकों के साथ बातचीत भी शामिल है, जिसमें उन्होंने अपने विश्व दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और निवेश के लिए भारत को देखने के लिए कहा है। इसके हिस्से के रूप में, सीतारमण ने शनिवार को प्यूडेंशियल फाइनेंशियल के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी स्कॉट स्लीस्टर और न्यूयॉर्क में लेगाटम के मुख्य निवेश अधिकारी फिलिप वासिलियौ से मुलाकात की। स्लीस्टर के साथ उनकी चर्चा पूंजी बांड बाजार, निवेशक चार्टर और अन्य पहलों की दिशा में सुधारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। मजबूत संरचनात्मक विकास और भारत में निवेश करने के लिए कंपनी की निरंतर रुचि वासिलियौ के साथ चर्चा का हिस्सा बनी। इससे पहले दिन के दौरान, सीतारमण ने न्यूयॉर्क में यूएसआईएसपीफोरम और फिक्की इंडिया द्वारा आयोजित एक राउंडटेबल सम्मेलन में वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं और निवेशकों को संबोधित किया। उन्होंने राउंडटेबल सम्मेलन में कहा, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में वर्तमान रीसेट और भारत में स्पष्ट नेतृत्व और प्रतिबद्ध नेतृत्व के साथ, मुझे भारत में सभी निवेशकों और उद्योग हितधारकों के लिए प्रचुर अवसर दिखाई दे रहे हैं। वित्त मंत्री ने सिटी के सीईओ जेन फ्रेजर से भी मुलाकात की। फ्रेजर ने भारत की आर्थिक सुधार की ताकत के बारे में बात की और कहा कि कैसे भारत तेजी से अपने कार्यों को बढ़ाने के लिए बहुराष्ट्रीय निगमों के लिए निवेश का एक महत्वपूर्ण गंतव्य बन जाएगा। सीतारमण ने फेडएक्स के सीईओ राज सुब्रमण्यम, अजय बंगा, कार्यकारी अध्यक्ष, और मेबाच माइकल, मास्टरकार्ड के सीईओ, और अरविंद कृष्णा, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईबीएम के साथ बैठक की। उनकी चर्चा भारत में अधिक निवेश प्राप्त करने के इर्द-गिर्द घूमती रही। सभी व्यापारिक नेताओं ने भारत के सुधारों, विशेष रूप से पीएलआई योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव के बारे में बात की। आईबीएम ने हाइब्रिड क्लाउड, ऑटोमेशन, 5जी, साइबर सुरक्षा, डेटा और एआई के क्षेत्रों में भारत में अपनी रुचि का संकेत दिया। नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर मास्टर प्लान की हाल ही में शुरू की गई पहल, गतिशक्ति और भारत में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और यूनिकॉर्न बेस सुब्रमण्यम के साथ चर्चा का हिस्सा बना।

जीएसटी : कई तरह की कर दरों से पैदा भ्रम दूर करने को राजस्व विभाग का सर्कुलर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न कर दरों और इसके आवेदनों से उत्पन्न कुछ भ्रम को दूर करने के लिए राजस्व विभाग ने सभी परिचालन अधिकारियों को एक परिपत्र (सर्कुलर) जारी कर कुछ सेवाओं पर लागू जीएसटी दरों और छूट के बारे में स्पष्टीकरण दिया है। सर्कुलर के अनुसार, राजस्व विभाग ने स्पष्ट किया था कि क्लाउड किचन/सेंट्रल किचन द्वारा खाना पकाने और भोजन की आपूर्ति के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवा रेस्तरां सेवा के अंतर्गत आती है और इसलिए रेस्तरां सामान्य रूप से समान कर (आईटीसी के बिना 5 प्रतिशत) के अधीन होगा। स्पष्टीकरण परिपत्र में कहा गया है, रेस्तरां सेवा का अर्थ है, किसी भी सेवा के हिस्से के रूप में या किसी भी सेवा के हिस्से के रूप में भोजन या मानव उपभोग के लिए कोई अन्य वस्तु या कोई पेय, रेस्तरां/खाने के संयुक्त द्वारा प्रदान किया जाता है, जिसमें मेस, या कैंटीन शामिल है, चाहे उपभोग के लिए या उस परिसर से दूर जहां इस तरह के भोजन या मानव उपभोग या पेय के लिए कोई अन्य वस्तु आपूर्ति की जाती है। लेकिन इसी तरह के आवेदन पर आइसक्रीम पार्लरों द्वारा आइसक्रीम की आपूर्ति को रेस्तरां सेवाओं के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है। विभाग ने कहा कि आइसक्रीम पार्लर पहले से बनी आइसक्रीम बेचते हैं और उनके पास एक रेस्तरां का चरित्र नहीं है। आइसक्रीम पार्लर किसी भी स्तर पर खाना पकाने के किसी भी रूप में संलग्न नहीं होते हैं, जबकि रेस्तरां सेवा में सेवा प्रदान करने के दौरान खाना पकाने/तैयारी करने का पहलू शामिल होता है। सर्कुलर में कहा गया है, आइसक्रीम पार्लर की आपूर्ति रेस्तरां सेवा से अलग स्तर पर है। उनकी गतिविधि में आइसक्रीम की आपूर्ति माल (एक निर्मित वस्तु) के रूप में होती है, न कि सेवा के रूप में, भले ही सेवा के कुछ तत्व मौजूद हों। जैसा कि जीएसटी परिषद द्वारा सिफारिश की गई है, यह स्पष्ट किया जाता है कि जहां आइसक्रीम पार्लर पहले से निर्मित आइसक्रीम बेचते हैं और एक रेस्तरां की तरह उपभोग के लिए आइसक्रीम नहीं पकाते/तैयार नहीं करते हैं, यह आइसक्रीम की आपूर्ति माल के रूप में है, न कि सेवा के रूप में। सर्कुलर में कहा गया है कि इस तरह पार्लर या इसी तरह के किसी आउटलेट द्वारा बेची जाने वाली आइसक्रीम पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा। सर्कुलर में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भले ही 1 जुलाई, 2017 से 31 दिसंबर, 2018 की अवधि के दौरान खनन अधिकारों के अनुदान के माध्यम से दर अनुसूची में विशेष रूप से सेवा का उल्लेख नहीं किया गया हो, यह निर्धारित सिद्धांत के मद्देनजर 18 प्रतिशत पर कर योग्य था। अवशिष्ट जीएसटी दर के लिए परिषद की 14वीं बैठक में नीचे। 1 जनवरी, 2019 के बाद, जैसा कि ऊपर बताया गया है, कोई विवाद नहीं रहता है। राजस्व विभाग को उपरोक्त अवधि के दौरान खनिज अन्वेषण और खनन अधिकार प्रदान करने के माध्यम से सेवाओं की आपूर्ति पर लागू जीएसटी की दर के स्पष्टीकरण के लिए अनुरोध करने वाले अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे। 1 जनवरी 2019 से, दर अनुसूची में विशेष रूप से संशोधन किया गया है और तब से यह निर्विवाद है कि ऐसी सेवा पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। मादक पेय के संबंध में, परिपत्र ने स्पष्ट किया कि मानव उपभोग के लिए मादक शराब के निर्माण के संबंध में जॉब वर्क के माध्यम से सेवाएं खाद्य और खाद्य उत्पादों प्रविष्टि के तहत निर्धारित 5 प्रतिशत की जीएसटी दर के लिए पात्र नहीं हैं। इसने कहा कि

जैसा कि जीएसटी परिषद ने सिफारिश की है, यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त प्रविष्टि में अभिव्यक्ति खाद्य और खाद्य उत्पाद में मानव उपभोग के लिए मादक पेय शामिल नहीं हैं। जैसे, आम बोलचाल में भी, मादक शराब को भोजन नहीं माना जाता है। सर्कुलर में यह भी स्पष्ट किया गया है कि मनोरंजन पार्क में सवारी या पारिवारिक मनोरंजन केंद्र में प्रवेश पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, न कि 28 प्रतिशत की उच्चतम दर जो कैसीनो या रेस क्लब वाले स्थान पर प्रवेश पर लागू होती है (भले ही यह कुछ अन्य गतिविधियों को प्रदान करता हो)।

ऐप्पल आईडी में पैसे जोड़ने पर भारतीय यूजर्स को मिलेगा 20 फीसदी बोनस

नई दिल्ली (एजेंसी)। तकनीकी दिग्गज ऐप्पल ने ऐप्पल आईडी बैलेंस का उपयोग कर के भुगतान को बढ़ावा देने के लिए अब उन भारतीय यूजर्स को 20 प्रतिशत बोनस दे रहा है, जो अपनी ऐप्पल आईडी में फंड जोड़ते हैं। 9टू5मैक की रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर पर एक डेवलपर का हवाला देते हुए, भारतीय ऐप्पल आईडी आकउंट में फंड जोड़ने पर यूजर्स को 20 प्रतिशत बोनस दे रहा है। ऐप्पल के मुताबिक, यह ऑफर 31 अक्टूबर तक वैध है और ऐप्पल आईडी बैलेंस में 100 रुपये से 15,000 रुपये जोड़ने पर उपलब्ध है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता अपनी ऐप्पल आईडी में 2,000 रुपये जोड़ता है, तो उन्हें बोनस के रूप में 400 रुपये मिलेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक का एक नया निर्देश बैंकों को क्रेडिट और डेबिट कार्ड का उपयोग कर के आवर्ती लेनदेन को मंजूरी देने के लिए एक नई प्रमाणीकरण प्रणाली के माध्यम से उपयोगकर्ता की मंजूरी की आवश्यकता है। ऐप्पल ने कहा कि नया निर्देश ऑटो-नवीकरणीय सदस्यता वाले ऐप्स को प्रभावित करेगा, इसलिए कंपनी डेवलपर्स से ऐप्पल आईडी बैलेंस का उपयोग करके भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 20 प्रतिशत बोनस की पेशकश निश्चित रूप से भारतीय उपयोगकर्ताओं को ऐप्पल के इन-ऐप खरीदारी सिस्टम के साथ समस्याओं से बचने के लिए अपनी भुगतान पद्धति को बदलने के लिए प्रोत्साहित करने का एक शानदार तरीका है।

रियलमी क्यू3एस में होगी 144हार्ट्ज एलसीडी स्क्रीन

बीजिंग (एजेंसी)। रियलमी, जो चीन में 19 अक्टूबर को रियलमी जीटी नियो2टी स्मार्टफोन के साथ ही अपने नए स्मार्टफोन रियलमी क्यू3एस को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है, ने अब वीबो पर एक पोस्टर जारी किया है, जो पुष्टि करता है कि क्यू3एस 144 हार्ट्ज तक की अडेप्टिड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी रियलमी ने पुष्टि की है कि रियलमी क्यू3एस में 6.6-इंच की एलसीडी स्क्रीन है। यह रिफ्रेश रेट के 7 स्तरों जैसे 30हार्ट्ज, 48हार्ट्ज, 50हार्ट्ज, 60हार्ट्ज, 90हार्ट्ज, 120हार्ट्ज और 144हार्ट्ज को सपोर्ट करेगा। डिस्प्ले अन्य फीचर्स जैसे डीसीआई-पी3 वाइड कलर गैमट, एचडीआर10 और 4096-लेवल फाइन डिमिंग के लिए सपोर्ट के साथ होगी। हाल ही में, रियलमी के उत्पाद निदेशक वांग वेई डेरेक ने पुष्टि की थी कि रियलमी क्यू3एस क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 778जी मोबाइल प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित होगा। बताया जा रहा है कि प्रोसेसर को 12जीबी तक रैम और 512जीबी ऑनबोर्ड स्टोरेज के साथ जोड़ा जाता है - जिसे माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा, स्मार्टफोन में 48 मेगापिक्सल प्राइमरी सेंसर और दो 2 मेगापिक्सल सेंसर के साथ ट्रिपल रियर कैमरा होने की उम्मीद है। डिवाइस में 4,880 एमएएच रेटेड क्षमता वाली बैटरी और एक साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर होगा।

डिजिटल मार्केटिंग और वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़ी दो कंपनियों के खिलाफ इनकम टैक्स विभाग का तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग ने कई राज्यों में स्थित दो समूहों पर तलाशी और जब्ती अभियान शुरू किया है।

पहला समूह डिजिटल मार्केटिंग और अभियान प्रबंधन में लगा हुआ है, जिसमें बेंगलुरु, सूरत, चंडीगढ़ और मोहाली में स्थित 7 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया गया है। पाए गए आपत्तिजनक सबूतों से पता चला है कि समूह एक एंट्री ऑपरेटर का उपयोग करके आवास एंट्री प्राप्त करने में लगा हुआ है। विभाग ने एक बयान में कहा कि एंट्री ऑपरेटर ने हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से समूह की नकदी और बेहिसाब आय के ट्रांसफर की सुविधा प्रदान की है। व्यय की मुद्रास्फीति और राजस्व की कम एंट्री का भी पता चला है। यह समूह बेहिसाब नकद भुगतान में भी लिप्त पाया गया है। विभाग ने कहा कि उन्होंने यह भी पाया कि निदेशकों के व्यक्तिगत खर्चों को खातों में व्यावसायिक खर्च के रूप में दिखाया गया है। निदेशकों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा उपयोग किए जाने वाले वाहन कर्मचारियों और एंट्री प्रोवाइडर के नाम पर खरीदे गए हैं। खोजा गया दूसरा समूह सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में लगा हुआ है, जिसमें देश भर में सॉलिड वेस्ट कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन, प्रोसेसिंग और डिस्पोजल सेवाएं शामिल हैं। तलाशी के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं। मिले साक्ष्यों से पता चलता है कि इस समूह ने खचरें और उप-अनुबंधों के लिए फर्जी बिल बुक करने में संलिप्तता जताई है। बुक किए गए इस तरह के फर्जी खचरें का प्रारंभिक अनुमान 70 करोड़ रुपये है।

तलाशी अभियान में करीब सात करोड़ रुपये की संपत्ति में बेहिसाब निवेश का पता चला है। इसके अलावा तलाशी कार्रवाई में 1.95 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी और 65 लाख रुपये के जेवरात जब्त किए गए हैं। दोनों समूहों में आगे की जांच जारी है।

दीवाली नजदीक आते ही चेन्नई से फ्लाइट के किराए में तेजी

चेन्नई (एजेंसी)। दीवाली नजदीक आने के साथ ही चेन्नई से उड़ान शुल्क बढ़ गया है। इतनी ही नहीं, कोरोना वेक्सीन की दो खुराक लेने वाले लोग ही फ्लाइट से जा सकते हैं। चेन्नई से नई दिल्ली की एकतरफा यात्रा में अब लगभग 7,000 रुपये से 12,000 रुपये का खर्च आएगा, जो आमतौर पर 3,000 से 4,000 रुपये के बीच होता है। ट्रैवल एजेंटों के अनुसार अधिकांश बुकिंग नई दिल्ली और मुंबई के लिए हैं, जबकि लोग बेंगलुरु भी यात्रा कर रहे हैं। अकबर ट्रेवल्स के मोहम्मद नजीर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, नई दिल्ली का किराया आसमान छू गया है और 7,000 से 12,000 रुपये के बीच है। आने वाले दिनों में किराया और बढ़ने की संभावना है। मुंबई का किराया 6,000 रुपये से 9,000 रुपये के बीच है। ट्रैवल एजेंटों ने यह भी कहा कि पिछले कुछ दिनों में बेंगलुरू का किराया 1,500 रुपये से दोगुना होकर 3,300 रुपये हो गया है और आने वाले दिनों में इसमें बढ़ोतरी की संभावना ज्यादा है। नजीर ने यह भी कहा कि यात्रा संस्कृति लगभग पूर्व-कोविड दिनों के स्तर पर पहुंच गई है और अधिकांश यात्री उड़ानें पसंद कर रहे हैं क्योंकि उनके कार्यालयों से छुट्टी नहीं दी गई है, हालांकि अधिकांश घर से काम कर रहे हैं। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भी दिल्ली और अन्य उत्तर भारतीय राज्यों के लिए उड़ान भरने वाले कई यात्रियों के साथ दिवाली के लिए किराए में वृद्धि को जिम्मेदार ठहराया।

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के सचिव एस. जयकेसन ने आईएएनएस को बताया, यात्रा में वृद्धि हुई है लेकिन लोग चेन्नई से तमिलनाडु के भीतर भी यात्रा कर रहे हैं और त्रिची, मदुरै और कोयंबटूर के लिए उड़ानों की मांग बढ़ गई है।

बीसीसीआई ने मुख्य कोच के पद के लिये आवेदन मंगाये, आवेदन की अंतिम तारीख 26 अक्टूबर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ को मुख्य कोच बनने के लिये मनाने के दो दिन बाद बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने लोढा समिति की सिफारिश वाले संविधान के अनुसार रविवार को इस पद के अलावा तीन सहयोगी स्टाफ के लिये आवेदन करने के लिये विज्ञापन जारी किया। पहले से ही तय है कि एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के मौजूदा प्रमुख द्रविड़ इस पद की जिम्मेदारी संभालने के लिये तैयार हैं जिसे केवल कुछ चमत्कार होने के बाद ही बदला जा सकता है।

द्रविड़ पहले ही आईपीएल फाइनल के मौके पर दुबई में बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से साथ चर्चा में अनौपचारिक रूप से सहमति दे चुके हैं। हालांकि बीसीसीआई को क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) बनाने की जरूरत है और अगर संविधान के अनुसार चला जाये तो उन्हें बीसीसीआई शीर्ष परिषद को औपचारिक सिफारिश करनी होगी। सभी पदों के लिये आवेदन की अंतिम तारीख 26 अक्टूबर है। यही कारण है कि बीसीसीआई ने 2023 वनडे विश्व कप तक दो साल के कार्यकाल के लिये मुख्य कोच के पद के साथ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण कोचों के लिये अभी विज्ञापन जारी किया है। रवि शास्त्री के साथ गेंदबाजी कोच भरत अरूण और क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर का कार्यकाल इस महीने भारत के टी20 विश्व कप अभियान समाप्त होने पर खत्म हो जायेगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ अगर आवेदन भरते हैं तो उनके कार्यकाल के बढ़ने की उम्मीद है, हालांकि उनके पास 2019 से अब तक के अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान दिखाने के लिये कोई प्रदर्शन नहीं है। गेंदबाजी कोच के पद के लिये भारत ए और अंडर-19 कोच पारस म्हाम्ब्रे को लाये जाने की उम्मीद है जो द्रविड़ के भरोसेमंद हैं।

मुख्य कोच के पद के लिये आवेदन करने वाले को 30 टेस्ट या 50 वनडे खेलने के साथ राष्ट्रीय टीम को दो साल की कोचिंग देने या फिर आईपीएल की टीम को तीन साल की कोचिंग देने का अनुभव होना जरूरी है। वह 14 से 16 लोगों के सहयोगी स्टाफ की टीम का नेतृत्व करेंगे। विज्ञापन के अनुसार, ''सफल उम्मीदवार पर एक विश्व स्तरीय भारतीय क्रिकेट टीम तैयार करने की जिम्मेदारी होगी, जो सभी परिस्थितियों और प्रारूपों में लगातार सफलता हासिल करेगी और मौजूदा और भविष्य की पीढ़ी के क्रिकेटरों और हितधारकों को अपने खेल के प्रति दृष्टिकोण से प्रेरित करेगी।'' मुख्य कोच भारतीय पुरूष टीम की समीक्षा और अनुशासनात्मक संहिता लागू और बरकरार रखने के जिम्मेदार

होगा। साथ ही वह एनसीए प्रमुख के साथ मिलकर जब भी संभव हो, उन खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिये योजना भी तैयार करेगा जो राष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। अन्य सहयोगी स्टाफ के लिये 10 टेस्ट या 25 वनडे या आईपीएल या ए टीमों के साथ तीन साल तक काम करने का अनुभव जरूरी होगा। बीसीसीआई हाल में आशीष कौशिक के हटने के बाद एनसीए में 'स्पोर्ट साइंस एवं मेडिसिन' के प्रमुख पद के लिये भी उम्मीदवार तलाश रहा है।

टी-20 वर्ल्डकप का हुआ आगाज, पहला मैच ओमान-पापुआ न्यू गिनी के बीच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आज से टी-20 वर्ल्डकप की शुरुआत हो गई है। क्रिकेट के इस महासंग्राम में कई देशों के खिलाड़ी अपना जलवा बिखरने को तैयार हो गए है। आपको बता दें कि ICC ने इस टूर्नामेंट का अब तक 6 बार आयोजन किया है और इस टूर्नामेंट का खिताब सबसे ज्यादा वेस्टइंडीज ने अपने नाम दो बार किया है। वहीं, भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका ने एक-एक बार यह टूर्नामेंट जीता है।

बता दें कि इस टूर्नामेंट का आयोजन यूएई और ओमान में किया जा रहा है और इसका पहला मैच ओमान और पापुआ न्यू गिनी के बीच खेला जा रहा है। टी-20 वर्ल्डकप के पहले दिन (17 अक्टूबर) को दो मुकाबले खेले जाएंगे जिसमें से पहला मैच ओमान और पापुआ न्यू गिनी के बीच खेला जा रहा है वहीं दूसरा मैच शाम को शाम 7.30 बजे बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच खेला जाएगा।

आईपीएल 2022 : एमएस धोनी को लेकर सीएसके की ओर से आया ये बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 के खत्म होते ही आईपीएल 2022 की बातें शुरू हो गई हैं. चुंकि आईपीएल 2022 में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है और काम बहुत ज्यादा होना है, इसलिए इस पर बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजियों की ओर से ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है. सभी आईपीएल टीमें अब अगले साल की तैयारी में जुटी हैं. इससे पहले कि बीसीसीआई की ओर से रिटेंशन पॉलिसी के बारे में कुछ अपडेट सामने आए टीमों ने अपने उन खिलाड़ियों को लेकर रणनीति तैयार कर ली है, जिन्हें टीम अपने साथ ही रखने वाली हैं. सबसे बड़ा सवाल सीएसके के कप्तान एमएस धोनी को लेकर है. इस बार जब आईपीएल के लिए मेगा ऑक्शन होगा, तो वो तीन साल के लिए होगा. सवाल यही है कि क्या एमएस धोनी क्या तीन साल के लिए आईपीएल खेल पाएंगे. इस बीच सीएसके की ओर से एमएस धोनी को लेकर बड़ा बयान सामने आया है.

चेन्नई सुपरकिंग्स के एक सीनियर अधिकारी ने एएनआई से बात करते हुए कहा है कि बीसीसीआई की रिटेंशन पॉलिसी सामने आने के बाद एमएस धोनी के लिए पहला कार्ड इस्तेमाल किया जाएगा. यानी अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो एमएस धोनी फिर से चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलते हुए नजर आएंगे. आईपीएल का पहला सीजन 2008 में शुरू हुआ था, उसी वक्त सीएसके ने एमएस धोनी को अपने पाले में कर लिया था. इसके बाद से वे इसी टीम के लिए खेल रहे हैं. बीच में चेन्नई सुपरकिंग्स दो साल के लिए आईपीएल से सस्पेंड हो गई थी, उसके बाद वे फिर सीएसके में आए और अभी तक खेल रहे हैं. वे सीएसके को अब तक चार बार आईपीएल की ट्रॉफी जिता चुके हैं. इसमें धोनी का बहुत बड़ा योगदान है.

बीसीसीआई की ओर से अभी तक ये साफ नहीं किया गया है कि आईपीएल 2022 के लिए कितने खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकता है. लेकिन खबरें इस तरह की आ रही हैं कि ज्यादा से ज्यादा तीन या फिर चार खिलाड़ियों को रिटेन करने के लिए कहा जा सकता है. इसमें दो भारत के खिलाड़ी और एक विदेशी खिलाड़ी शामिल रहेगा. लेकिन इस पर पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, जब तक कि बीसीसीआई की ओर से नियमों को लेकर साफतौर पर कुछ नहीं कहा जाए. लेकिन अगर टीमों को एक भी खिलाड़ी रिटेन रखने के लिए कहा जाएगा, तो भी सीएसके एमएस धोनी को सबसे पहले अपने साथ लेगी. लेकिन बाकी टीमों भी इसको लेकर अपनी अपनी रणनीति बनाने में जुटी हुई हैं. माना जा रहा है कि दो नई टीमों की एंट्री के बाद कभी भी बीसीसीआई रिटेंशन पॉलिसी सामने आ सकती है.

महिला बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स की जीत में चमकी युवा स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा और राधा

होबार्ट। (एजेंसी)।

भारत की शेफाली वर्मा ने अर्धशतक जड़ा जबकि राधा यादव ने दो विकेट चटकाए जिससे सिडनी सिक्सर्स ने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में रविवार को होबार्ट हरिकेन को पांच विकेट से हराया। पूनम यादव के दो विकेट के बावजूद हालांकि ब्रिसबेन हीट को शिकस्त का सामना करना पड़ा। युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली ने 50 गेंद में छह चौकों की मदद से 57 रन की पारी खेली जिससे सिडनी की टीम ने 126 रन के लक्ष्य

को आसानी से हासिल कर लिया। हरिकेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 125 रन बनाए थे।

शेफाली के अलावा सिक्सर्स की कप्तान एलिस पैरी ने भी 33 गेंद में 27 रन की पारी खेली जिससे टीम ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 129 रन बनाकर जीत दर्ज की। बायें हाथ की स्पिनर राधा ने हमवतन रिचा घोष (46 गेंद में 46 रन) और साशा मोलोनी (16 गेंद में 22 रन) को आउट करते हुए हरिकेन को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोका। एक अन्य मैच में लेग स्पिनर पूनम ने बेथ मूनी (40) और हीथर ग्राहम को आउट किया जिससे ब्रिसबेन हीट ने पर्थ स्कोरचर्स को सात विकेट पर 137 रन पर रोक दिया। हीट ने भी नौ विकेट पर 137 रन बनाए जिसके बाद स्कोरचर्स ने एक ओवर एलिमिनेटर में जीत दर्ज की।

नीरज ने कांगो के मुक्केबाज के खिलाफ नॉकआउट जीत दर्ज की

दुबई। भारतीय पेशेवर मुक्केबाज नीरज गोयत ने 'सुपर बॉक्सिंग लीग' की 'क्रिप्टो फाइट नाइट' में यहां कांगो के बेबे रिको त्शिबांगु के खिलाफ नॉकआउट जीत दर्ज की। ब्रिटेन के दिग्गज पेशेवर मुक्केबाज आमिर खान समर्थित इस प्रतियोगिता में शनिवार रात को गोयत ने अपने मुकाबले के तीसरे दौर में ही जीत दर्ज कर ली। इस जीत से वेल्टरवेट (63-67 किग्रा भारवर्ग) में पिछले तीन साल से नीरज के अजेय रहने का क्रम जारी है। गोयत ने इस जीत के बाद एक बार फिर से आमिर खान को मुकाबले के लिए चुनौती दी। पाकिस्तानी मूल के आमिर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कोई साफ जवाब नहीं दिया। ओलंपिक पदक विजेता आमिर ने कहा, '' मीडिया और प्रशंसकों में इसकी चर्चा हो रही है। जब ऐसा होगा तो उनके लिए निश्चित रूप से रोमांचक होगा क्योंकि उनके अनुसार यह सबसे अधिक दिलचस्प मुकाबला होगा।

ड्यू बाल फेडरेशन ऑफ इंडिया की 8 वी वार्षिक साधारण सभा मैं अमनदीप सिंह खालसा जी को सभापति और इब्राहिम मुल्ला, सी.ई.ओ के रूप में नियुक्ति

दिल्ली। दिल्ली ककरादुमा में आयोजित ड्यूबल फेडरेशन ऑफ इंडिया की 8 वीं वार्षिक साधारण सभा में 26 राज्यो के सचिव उपस्थित रहे। जिस में आने वाले समय मैं 1 एशियन चैंपियनशिप के बारे में तथा ड्यूबेल प्रीमियम लीग के बारे मैं चर्चा विचारना की गई और उस के बारे में जानकारी देते हुए फेडरेशन के सचिव श्री. नवाब अलीजी ने सभी राज्यों से आए सदस्य को बताया कि जैसे ही सरकार की तरफ से हमे अनुमति मिलते ही मुंबई मैं इन प्रतियोगता का आयोजन किया जाएगा हमारी तरफ से पुरि तैयारी हो चुकी है एशियन चैंपियनशिप में 14 देशों के शामिल होने की संभावनाएं है। इस के अतिरिक्त 8 वी सीनियर नेशनल का भि आयोजन मध्यप्रदेश में जल्द ही होने वाला है और नई रूल बुक का भी विमोचन आए हुए सभी माननीय अतिथियों द्वारा किया गया जिनमें श्री। फिरोजखानजी फाउंडर (ड्यूबॉल,) श्री कुलदीपसिंहजी गहलोत,श्री,धीरजजी गहलोत तथा श्री, डी. डी.शर्माजी वाइस प्रेसिडेंट (डी. एफ. आई) ।

आए हुए सभी सचिवों को राज्य में ड्यूबॉल खेल को बढ़ावा देने च लिए निर्देश दिए तथा केसे बढ़ावा दिया जाए उसकी भी जानकारी दी गई। सभी राज्यों से आए हुए सचिवों को शॉल तथा स्मृतिचिन्ह से सम्मानित किया गया.। दिल्ली ड्यूबॉल एसोसिएशन के श्री. प्रियांक गुप्तजी उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष श्रीमती शर्मीलाजी शर्मा और सहसचिव श्री अखलाक आलामजी, श्री.विपिन त्यागीजी सहसचिव, श्रीमती नीलमपालजी टेक्निकल चेयरमैन ने दिल्ली ड्यूबॉल एसोसिएशन की और से अंतिम स्वरूप दिया गया।

मुझे अपने टीम पर काफी गर्व है : मैकुलम

दुबई। (एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने आईपीएल 2021 में अपनी टीम को खेलते हुए देखकर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें ड्रेसिंग रूम में सभी पर गर्व है। मैकुलम ने को दुबई में आईपीएल 2021 के फाइनल में कोलकाता को चेन्नई सुपर किंग्स से 27 रन से हारने के बाद कहा।

मैकुलम ने रविवार को फें चाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक ट्विटर वीडियो में कहा, आप लोगों को खेलते हुए देखकर काफी खुशी हुई। मैं वास्तव में इसके हर पल को पसंद किया और मुझे आशा है कि आप सभी को पसंद आया होगा एक ऐसी क्रिकेट टीम के साथ खेल कर जहां हम एक दूसरे की परवाह करते हैं। मुझे इस टीम में सभी पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है।

भारत ने रिकॉर्ड 8वां सैफ चैम्पियनशिप खिताब जीता

माले। भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में नेपाल को 3-0 से हराकर सैफ चैंपियनशिप ट्रॉफी पर रिकॉर्ड आठवीं बार जीत हासिल की।

कप्तान सुनील छेत्री (48वें मिनट) ने गोल किया, जिसके बाद युवा सुरेश सिंह (50वें मिनट) ने एक मिनट के भीतर बढ़त को दोगुना कर दूसरे हाफ में ब्लू टाइगर्स के लिए दो गोल की बढ़त बना ली। सुपर-सब अब्दुल सहल (90वें) ने नेपाली रक्षा को पछाड़ते हुए विनियमन समय के अंतिम समय में ताबूत में अंतिम एक कील ठोंक दी। संयोग से, यह छेत्री का इस अभियान के दौरान कई आउटिंग में स्कोरिंग चार्ट के शीर्ष पर समाप्त होने वाला पांचवां गोल था। 2019 में पदभार संभालने के बाद सीनियर राष्ट्रीय टीम के साथ कोच इगोर स्टिमैक की यह पहली ट्रॉफी भी थी। स्टिमैक ने शुरुआती लाइन-अप में कुछ बदलाव किए, क्योंकि अनिरुद्ध थापा और

चिंगलेनसाना सिंह निलंबित सुभाषिश बोस और चोटिल ब्रैंडन फर्नांडीस के लिए आए। ब्लू टाइगर्स के लिए पहला मौका चौथे मिनट में आया जब यासिर ने थापा के लिए दाहिनी ओर से एक स्वादिष्ट गेंद खेली लेकिन नेपाली गोलकीपर किरण लिम्बु गेंद को हथियाने के लिए अपनी लाइन से बाहर आ गए। भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने गतिरोध को तोड़ने की हर संभव कोशिश की, लेकिन नेपाली रक्षकों ने शुरुआती एक्सचेंजों में उन्हें दूर रखा। पहले हाफ के अंत में छेत्री अपना 80वां अंतर्राष्ट्रीय गोल करने के करीब पहुंच गए लेकिन उनका वॉली क्रॉसबार के ऊपर से उड़ गया। जैसा कि रेफरी ने पहले हाफ का अंत किया, ऐसा लग रहा था कि दोनों भारत के पास अधिक मौके थे, लेकिन गतिरोध को तोड़ नहीं सके। फिर से शुरू होने के चार मिनट के भीतर, छेत्री ने पहले की चूक के लिए संशोधन किया, क्योंकि वह स्कोरबुक खोलने के लिए कोटल से एक गेंद के माध्यम से आगे बढ़े। छेत्री ने एक पाठ्यपुस्तक का हेडर तैयार किया जो लाइन के ऊपर से टकराने से पहले जमीन में चला गया था। एक मिनट के भीतर, सुरेश सिंह, पूर्व फीफा अंडर-17 विश्व कप खिलाड़ी ने ब्लू टाइगर्स के लिए अपना पहला गोल किया, जिसमें यासिर मोहम्मद ने दाहिने फ्लैंक से एक क्रॉस किया। थापा और कोटल ने इस प्रक्रिया में एक और लक्ष्य को स्क्रिप्ट करने के लिए संयुक्त रूप से संयुक्त किया, लेकिन किरण लिम्बु ने एक बार फिर मौका नाकाम कर दिया। घड़ी पर दस मिनट के नियमन समय के साथ, मनवीर ने इसे दूसरे हाफ के स्थानापन्न उदंता (जो यासिर की जगह ली) के लिए रोल कर दिया। विंगर ने इसे छेत्री के लिए भेजा, लेकिन डिफेंडर रोहित चंद ने खतरे को टालने के लिए एक शानदार इंटरसेप्शन बनाया। चूंकि ब्लू टाइगर्स डगआउट अंतिम सीटी की प्रतीक्षा कर रहा था, सहल पाटी में शामिल हो गए, क्योंकि उन्होंने डिफेंडरों के झुंड के चारों ओर एक अजीब रन बनाया और गेंद को छह-यार्ड बॉक्स के अंदर से नेट के पीछे रख दिया।

रैना का भारत के टी20 विश्व कप खिलाड़ियों को संदेश, विराट कोहली के लिए खिताब जीतो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि विराट कोहली यूएई और ओमान में टी20 विश्व कप जीतकर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी कप्तानी की पारी का अंत करने के हकदार हैं। कोहली विश्व कप के बाद भारत की टी20 टीम की कप्तानी छोड़ देंगे और रैना ने कहा कि यह करिश्माई कप्तान टीम के अपने साथियों से शानदार विदाई का हकदार है। रैना ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के लिए अपने कॉलम में लिखा, ''आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भारत के लिए संदेश सामान्य है- विराट कोहली के लिए करो।'' उन्होंने लिखा, ''इस टूर्नामेंट में वह कप्तान के रूप में संभवतः अंतिम बार उतरेंगे इसलिए उनके लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि वह सभी को भरोसा दिलाएं कि हम यह कर सकते हैं और हमें उनका साथ देना होगा।''

रैना ने लिखा, ''इस कारण से भारतीय प्रशंसक आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 के शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते। हमारे पास खिलाड़ी हैं, हमारे पास लय है- हमें सिर्फ मैदान पर उतरकर योजना को अमलीजामा पहनाना है।'' रैना ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को यूएई में इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने से विश्व कप के दौरान मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी यूएई में हाल में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग में खेले हैं और वे इस माहौल में आठ या नौ मैच खेलकर शीर्ष फॉर्म में हैं।'' रैना ने कहा, ''इससे सभी अन्य टीमों पर भारत का पलड़ा भारी है और मेरे नजरिए से यह भारत को टी20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार बनाता है।'' उन्होंने कहा, ''यूएई के हालात काफी हद तक भारत और पाकिस्तान की तरह भी हैं। यह एशियाई टीमों के पास अच्छा मौका है कि वे अपना स्वाभाविक खेल खेलें।'' रैना का मानना है कि टूर्नामेंट में भारत की सफलता शीर्ष तीन बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, ''मेरी नजर में भारत की बल्लेबाजी की सफलता शीर्ष तीन पर निर्भर करती है। रोहित शर्मा का अतीत में आईसीसी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन रहा है और आईपीएल भी उनके लिए काफी अच्छा रहा।''

रैना ने कहा, ''हमें रोहित, लोकेश राहुल और विराट के 15 ओवर तक बल्लेबाजी करने और मंच तैयार करने की जरूरत है। वे ऐसा करके भारतीय टीम के लिए लय तैयार कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मध्यक्रम में काफी संयोजन हैं और बेशक ऋषभ पंत वहां अहम भूमिका निभाने वाला है। पावर हिटर के रूप में हार्दिक पंड्या भी काफी सक्षम है। लेकिन अगर पारी के उस चरण में शीर्ष तीन खिलाड़ी मौजूद रहते हैं तो ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे भारत हासिल नहीं कर सकता।'' रैना का मानना है कि यूएई में पिचों की प्रकृति को देखते हुए रहस्यमयी स्पिनर वरूण चक्रवर्ती टूर्नामेंट में भारत के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''आईपीएल में मेरा अनुभव था कि अगर बात रहस्यमयी स्पिनर की करें तो यूएई और ओमान में उन्हें खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होगा।'' रैना ने कहा, ''इससे वरूण चक्रवर्ती भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में अहम खिलाड़ी बन जाता है। उसने दिखाया है कि वह पिच की गति का फायदा उठा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''वरूण ने सिर्फ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं लेकिन मैं अनुभव की कमी को लेकर चिंतित नहीं हूं। टीम में काफी अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं विशेषकर तेज गेंदबाजी आक्रमण में।'' रैना को साथ ही यकीन है कि भारत इस टूर्नामेंट में कुछ विशेष हासिल करेगा। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से इस टी20 विश्व कप का इंतजार कर रहे हैं। पिछले दो साल मुश्किल रहे लेकिन मुझे लगता है कि यूएई और ओमान में हमें कुछ विशेष देखने को मिलेगा।

जनकल्याण के कार्यों में सहायक बने हैं धार्मिक संस्थान: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद के निकोल इलाके में नवनिर्मित स्वामीनारायण गुरुकुल के मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव में कहा कि प्राकृतिक या मानव सृजित आपदा से लेकर सामाजिक गतिविधियों में स्वामीनारायण संप्रदाय के संत-महंत और स्वयंसेवक सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जनकल्याण के कार्यों में सहायक बने हैं। आजादी का अमृत महोत्सव यानी आजादी की 75वीं वर्षगांठ के वर्ष में राजकोट स्वामीनारायण संस्थान की स्थापना के भी 75 वर्ष पूरे हुए हैं। इस अमृत पर्व पर अहमदाबाद में 45वीं शाखा का मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इस पवित्र अवसर पर कहा कि राज्य के सभी नागरिकों को योजनागत लाभों से लेकर सभी सुविधाएं आसानी से मुहैया कराने के जनकल्याणकारी कार्य करने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास के जिस मार्ग का निर्माण किया है, उस पर हमारी सरकार आगे बढ़ रही है। जनकल्याण और विकास की राजनीति के प्रणेता एवं दीर्घदृष्टा नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों की महक देशभर में फैल रही है और उसे आगे बढ़ाने को हमारी सरकार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ राष्ट्रव्यापी सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया है उसमें सहभागी बनकर हर कोई एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने में सहयोग दे।

इस अवसर पर आदरणीय राजकोट संस्था के संत पूज्य गुरु महाराज ने भगवान स्वामीनारायण के वचनामृत का संदर्भ देते हुए कहा कि परिवार, राज्य, राष्ट्र, संगठन और समाज में सादगी, सरलता और सेवाभाव युक्त नेतृत्व का विशेष महत्व है। गुजरात राज्य को इन तमाम गुणों से संपन्न मुख्यमंत्री भूपेंद्र मिले हैं, जिन्होंने एक महीने के अल्पकाल में ही करोड़ों नागरिकों का दिल जीत लिया है। पूज्यपाद गुरु महाराज ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को उज्ज्वल भविष्य और नेतृत्व के लिए आशीर्वचन भी दिए। स्वामीनारायण मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर कुटीर उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जगदीश विश्वकर्मा, विधायक बाबूभाई पटेल, वल्लभभाई काकड़िया, जगदीशभाई पटेल, संत देवकृष्णदास जी, महंत देवप्रसाद जी, धर्मवल्लभदास जी, संप्रदाय के संत एवं महंतों के साथ ही गुरुकुल के पूर्व विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्टार जोड़ी पीयूष और पूजा व्यास सूरत शहर से 17 अक्टूबर को सरसाना प्लेटिनम हॉल में

सूरत भमि, सूरत।

पहचान ब्रांड अवार्ड न केवल एक पुरस्कार है, बल्कि सूरत और दक्षिण गुजरात के ऐसे व्यापारिक दूरदर्शी लोगों को सम्मानित करने का एक मंच भी है जिन्होंने न केवल कोरोना के कठिन समय में अपना व्यवसाय बनाए रखा बल्कि उनके साथ काम करने वाले कर्मचारियों को भी उचित ध्यान दिया गया और उनके रोजगार को बनाए रखने के साथ-साथ उनके परिवारों की देखभाल करने के लिए उनके सर्वोत्तम प्रयास किए गए।

हमारे शहर और देश की कई हस्तियों ने सम्मान के एक विशेष आयोजन के साथ रिकॉग्निशन ब्रांड अवार्ड-3 में पोस्ट कोरोना के व्यावसायिक रोजगार को और कैसे बढ़ाया जाए, इस पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम के साथ कई मशहूर हस्तियों के साथ एक पैनल चर्चा हुई और ज्ञान साझा करने के हिस्से के रूप में, सूरत शहर के प्रत्येक व्यवसायी व्यक्ति को अपने स्वयं के व्यवसाय में नियोजित किया जाएगा।

यह लगातार तीसरा वर्ष है जब सूरत शहर और दक्षिण गुजरात के व्यापार और व्यापार को बढ़ावा देने और उद्योगपतियों और व्यापार मालिकों के मनोबल को मजबूत करने के लिए लगातार तीसरे वर्ष पहचान-3 का आयोजन किया गया है।

अयोध्या दर्शन के लिए जाने वाले आदिवासियों को देगी पांच हजार रुपये की सहायता

अहमदाबाद ।

अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शनों के लिए जाने वाले गुजरात के आदिवासियों को सरकार प्रति यात्री पांच हजार रुपये देगी। गुजरात के पर्यटन व यात्राधाम विकास मंत्री पूर्णेश मोदी ने दक्षिण गुजरात के डांग स्थित शबरी धाम पर आयोजित एक समारोह में कहा कि शबरी के वंशजों को भगवान श्रीराम से जोड़ने के लिए गुजरात सरकार अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर दर्शन करने जाने वालों को प्रति यात्री पांच-पांच हजार रुपये की सहायता देगी। शक्तिपीठ मां अंबा माता मंदिर से नवरात्रि के पहले दिन शुरू हुई यात्रा शबरी धाम पहुंची। यहां पर मंत्री पूर्णेश मोदी, आदिवासी विकास मंत्री नरेश पटेल आदि उपस्थित रहे। समारोह में पूर्णेश मोदी ने कहा कि मानसरोवर यात्रा, सिंधु दर्शन यात्रा की तरह अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को भी सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी। इस मौके पर पूर्णेश मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस व यूपीए सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि भगवान राम के अस्तित्व को नकारने वालों व रामसेतु को काल्पनिक बताने वालों को भगवान राम के वैज्ञानिक प्रमाण मिल चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान श्री राम के मंदिर के निर्माण में अहम भूमिका निभाई, कश्मीर में अनुच्छेद ३७० को समाप्त किया तथा गुजरात के आदिवासियों के लिए पर्यटन महत्व वाली बिलिमोरा से वघई तक की नैरोगेज ट्रेन को फिर से शुरू कराया है। इस दौरान पर्यटन मंत्री ने कहा

कि दक्षिण गुजरात के सापुतारा को नर्मदा में बनी दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैचू आफ यूनिटी के साथ एक सर्किट से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर डांग में राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे करोड़ों के विकास कार्यों का भी उन्होंने अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ पर्यटन विकास बोर्ड के अध्यक्ष आर आर रावल भी उपस्थित थे।

ताजमहल से कहीं बेहतर अक्षरधाम मंदिर जहां धन्यता की अनुभूति होती है: सीआर पाटील

बोटाद।

गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज ताजमहल से कहीं ज्यादा श्रेष्ठ अक्षरधाम मंदिर को बताया और कहा कि अक्षरधाम के दर्शन से धन्यता की अनुभूति होती है। सीआर पाटील ने आज राज्र के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ बोटाद के गढ़डा स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन किए। इस मौके पर विधारक आत्माराम परमार, सौरभ पटेल, भरत बोघरा समेत भाजपा नेता मौजूद रहे। सीआर पाटील ने कहा कि अब भविष्र में मंदिरों का निर्माण होगा रा नहीं इस पर मुझे संदेह है। उन्होंने लोगों से ताजमहल के बजाए दिल्ली के अक्षरधाम के दर्शन करने की अपील की और कहा कि जिनकी दृष्टि में कमी है, उनके लिए ताजमहल अच्छा है। लेकिन मेरी दृष्टि अच्छी है और इसलिए मुझे ताजमहल के कहीं श्रेष्ठ अक्षरधाम लगता है। अक्षरधाम मंदिर के दर्शन करने से धन्रता की अनुभूति होती है। इससे मंदिर निर्माण की प्रेरणा मिलती है। सीआर पाटील ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्रकर्ता एक्शन में आ गए हैं। प्रत्रेक अवसर पर भाजपा सेवा के कार्र करते हैं। रक्त तुला जैसे कार्रक्रमों का आरोजन करते हैं, ताकि जरूरतमंदों की मदद कर सकें। इस मौके पर प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने राज्र के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की तारीफ की और कहा कि वह राजनीति में कैसे आ गए, रह जांच का विषर है। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को भोला व्रक्ति बतारा। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री को कोई भोला समझ कर ठग नहीं सकता।

गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष एवं नेता विपक्ष के नामों की घोषणा

अहमदाबाद ।

गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता विपक्ष के पद पर नए नामों की घोषणा कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद की जा सकती है । हाल ही गुजरात कांग्रेस के प्रभारी बने डॉ रघु शर्मा पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में शामिल हो रहे हैं, कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी से हरी झंडी मिलने के बाद डॉ शर्मा गुजरात कांग्रेस के नए अध्यक्ष तथा नेता विपक्ष के लिए नये नेताओं के नामों की घोषणा कर सकते हैं । इसी साल की शुरुआत में हुए निकाय व पंचायत चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा एवं विधानसभा में नेता विपक्ष परेश धनाणी ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था । इसी के तुरंत बाद गुजरात कांग्रेस के प्रभारी सांसद राज ीव सातव का कोरोना के चलते निधन हो गया जिसके चलते गुजरात कांग्रेस में नेताओं का चुनाव खटाई में पड़ गया । राजस्थान सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा को गुजरात कांग्रेस का प्रभारी नियुक्तकिया गया है । पिछले दिनों गुजरात की यात्रा के दौरान उन्होंने प्रदेश के कांग्रेस नेताओं एवं विधायकों से मुलाकात कर आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की साथ ही नेतृत्व में बदलाव जैसे मुद्दे पर भी रायशुमारी की । ? गुजरात कांग्रेस के सामने प्रदेश में जातिगत समीकरण को बिठाना टेढ़ी खीर होगा । कांग्रेस ओबीसी दलित आदिवासी एवं अल्पसंख्यकों के साथ साथ पाटीदार समुदाय को भी साधना चाहती है जिसके लिए उसे किसी एक बड़े पद पर पाटीदार नेता को बिठाना होगा । आदिवासी नेता के रूप में कांग्रेस के पास सांसद नारण राठवा एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री तुषार चौधरी, पूंजाजी वंश के रूप में बड़े नेता हैं । जबकि पाटीदार नेता के रूप में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ पटेल प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल उत्तर गुजरात के विधायक वीर जी ठुमर, ललित वसोया, ललित कगथरा जैसे कई जुझारू नेता है । प्रदेश कांग्रेस के पास ब्राह्मण नेताओं के रूप में नरेश रावल, निशीत व्यास, विधायक भीखाभाई जोशी है वही दलित नेता के रूप में सचेतक शैलेश परमार, मंगल सूरजकर , जिग्नेश मेवाणी तो अल्पसंख्यक नेताओं के रूप में वरिष्ठ विधायक ग्यासुद्दीन शेख, इमरान खेड़ावाला, मो.ज ाविद पीरजादा तथा ओबीसी नेता के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री भरत सिंह सोलंकी, पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर, जामनगर से विधायक विक्रम माडम, प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया आदि नेता प्रमुख हैं । गुजरात कांग्रेस को जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष व विधानसभा में नया नेता मिलने वाला ऐसे में सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि भाजपा सरकार व संगठन से टक्कर लेने के लिए कांग्रेस किस नेता को यह जिम्मेदारी सौंपती है । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटील गुजरात की राज नीति में एक तेजतर्रार नेता के रूप में घूम रहे हैं ऐसे में भाजपा के टक्कर लेने के लिए कांग्रेस को भी ऐसे ही नेताओं को आगे लाना होगा ।

सूरत भूमि, सूरत। एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट शाखा कार्यालय का उद्घाटन किया गया सूरत के सचिन विस्तार में सचिन वार्ड के प्रमुख के तौर पर पटेल रामप्रसाद जो जवाबदारी सौंपी गई। इस अवसर पर एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख जहीर खान पठान और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। जहीर खान पठान ने बताया की सचिन वार्ड का प्रमुख पटेल रामप्रसाद और ज्वाइन सिक्योरिटी मोहम्मद इरफान खान को मनाया गया।

वडोदरा में फार्म हाउस में छापेमारी करके लाखों रुपये का शराब जब्त किया गया

वडोदरा ।

वडोदरा स्टेट मॉनिटरिंग सेल द्वारा की गई छापेमारी में भारी मात्रा में शराब का ज त्था जब्त किया गया है । टीम द्वारा फार्म हाउस में की गई छापेमारी में विदेशी शराब का जत्था जब्त किया गया है । सेवासी गांव में की गई छापेमारी में एक के बाद एक शराब की बोतलों का जत्था मिला । छापेमारी में २०० से ज्यादा विदेशी शराब की पेटी मिली है । टीम को जानकारी मिलने के बाद सेवासी गांव में स्थित फार्म हाउस में स्टेट मॉनिटरिंग सेल द्वारा छापेमारी की गई थी । पुलिस ने पहले पकड़े आरोपी की पूछताछ के दौरान यह बड़ा खुलासा हुए होने का सामने आ रहा है । यह ग्रामीण पुलिस का सीमा क्षेत्र होने से टीम द्वारा स्थानीय पुलिस को बुलाकर कार्रवाई की गई थी । त्यौहार निकट है तब जानकारी के आधार पर की गई छापेमारी में बड़ा खुलासा हुआ है । आगामी दिनों में भी यह मामले में कई महत्व के खुलासे हो ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है । सयाज ीगंज पुलिस स्टेशन की सीमा में कमाटीपुरा क्षेत्र में सुबह में छापेमारी की गई होने की जानकारी मिली है । पुलिस ने पहले पकड़े बुटलेगर की जांच करने पर शराब का जत्था सुरक्षित रखने के लिए सेवासी गांव में स्थित फार्म हाउस का उपयोग करते होने की जानकारी मिली है । इसके बाद जांच करने के लिए पुलिस द्वारा फार्म हाउस में छापेमारी की गई थी । दोनों आरोपियों को साथ में रखकर पुलिस द्वारा छापेमारी की गई थी । ऐसे में प्राथमिक जांच के बाद मिली जानकारी में छापेमारी में २०० से ज्यादा विदेशी शराब की पेटी मिली है । इस छापेमारी के दौरान लाखों रुपये का विदेशी शराब जब्त करके आगे की जांच शुरू की

गई है । आारोपी की पूछताछ के दौरान अभी कई बड़े खुलासे होने की संभावना व्यक्त की जा रही है । पुलिस द्वारा इस मामले में अब आगे की कार्रवाई करके यह शराब का जत्था कहां से मंगवाया जाता था और यह बेचने के पीछे मुख्य व्यक्ति कौन है । इसके अलावा अन्य किसी जगह पर इस तरीके से शराब का जत्थे का संग्रह किया गया है कि नहीं इस दिशा में पुलिस द्वारा जांच करके कार्रवाई की जाएगी ।

शिक्षण सहायकों की भर्ती में पक्षपात के आरोपों के बीच

अहमदाबाद ।

गुजरात में सौराष्ट्र विश्विद्यालय (एसयू) में शिक्षण सहायकों की भर्ती में पक्षपात के आरोपों के बीच अधिकारियों ने पूरी प्रक्रिया को नए सिरे से करने शुरू करने का फैसला किया है । अधिकारियों ने यह जानकारी दी । एक दिन पहले, कांग्रेस की छात्र शाखा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने दावा किया था कि एसयू सिंडिकेट के भाजपा सदस्यों ने संविदा भर्ती के लिए उम्मीदवारों की सिफारिश करने के सिलसिले में एक सोशल मीडिया ग्रुप बनाया है । एनएसयूआई ने मांग की थी कि पूरी प्रक्रिया को नए सिरे से शुरू कर सब कुछ विडियो रिकॉर्ड किया जाए । कांग्रेस की छात्र शाखा ने दावा किया था कि सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के सिंडिकेट के भाजपा सदस्यों के समूह में अनुबंध के आधार पर शिक्षकों की अंतिम भर्ती की खातिर २३ नामों का उम्मीदवारों के रूप में कथित तौर पर उल्लेख है । उम्मीदवारों के साक्षात्कार जल्द होने वाले हैं । कुलपति एनएम पिठानी ने बताया कि, हमने भर्ती प्रक्रिया नए सिरे से शुरू करने का फैसला किया है । उन्होंने कहा कि ७८ सफल उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए २९ सितंबर से १२ अक्टूबर के बीच योग्य उम्मीदवारों की एक खुली साक्षात्कार प्रक्रिया आयोजित की गई थी । लेकिन कथित व्हाट्सएप ग्रुप पर विवाद को देखते हुए विश्वविद्यालय ने एक बार फिर प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है । पिछानी ने कहा कि शिक्षण सहायकों को चुनने के लिए उन्हें किसी से कोई सिफारिश नहीं मिली है । विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात के शिक्षा मंत्री ज ीतू वघानी ने आश्वासन दिया था कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से होगी और चयन योग्यता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी उम्मीदवार के साथ गलत व्यवहार नहीं किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट किया था, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में संविदा भर्ती के विवाद के बारे में जानने के बाद मैंने कुलपति से फोन पर बात की। मैंने उन्हें पूरी प्रक्रिया को योग्यता के आधार पर पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिया है कि किसी भी उम्मीदवार के साथ गलत व्यवहार नहीं हो।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)